सी.बी.एस.ई.

हल प्रश्न-पत्र-2024

हिन्दी 'अ'

कक्षा–X

(Delhi & Outside Delhi Sets)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 17 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं — **खंड 'अ'** और **खंड 'ब'**। **खंड 'अ'** में बहुविकल्पीय/वस्तुपरक और **खंड 'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(iii) **खंड 'अ'** में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) **खंड 'ब'** में कुल 7 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(vi) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

Delhi Set-1 **3/1/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1 × 5 = 5**

भारत एक विशाल देश है। यहाँ के विभिन्न राज्यों की अपनी क्षेत्रीय भाषाएँ हैं। स्वतंत्रता के पश्चात से मातृभाषा को प्रोत्साहित करने की बातें चर्चा में रही हैं। परंतु इनके विकास के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। इसके कारण प्रत्येक क्षेत्र में विदेशी भाषा अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित हो गया। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति के सोचने की प्रक्रिया अपनी मातृभाषा में होती है। अगर किसी व्यक्ति से उसकी मातृभाषा में बात करें तो वह बात दिल तक पहुँचती है।

यह सर्वविदित है कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना अत्यंत सहज एवं सुगम होता है। अपनी मातृभाषा में विद्यार्थी किसी भी विषय को सरलता से समझ लेता है जबकि अन्य भाषाओं में उसे कठिनाई का सामना करना पड़ता है। विश्वभर के शिक्षाविदों ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान किए जाने को महत्त्व दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी मातृभाषा में चिकित्सा की पढ़ाई करवाने वाले देशों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति अन्य देशों की तुलना में अच्छी है। चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस और जापान सहित अनेक देश अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। सर्वविदित है कि ये देश लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी हैं। इन देशों ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करके ही उन्नति प्राप्त की है। यदि स्वतंत्रता के पश्चात भारत में भी मातृभाषा में चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती तो हम आज विश्व में और अधिक बेहतर स्थिति में होते। वर्तमान में इस दिशा में ठोस और क्रांतिकारी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

(i) किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए आवश्यक है :

(A) तकनीकी शिक्षा का विस्तार होना

(B) चिकित्सीय शिक्षा का विस्तार होना

(C) किसी भी भाषा में शिक्षा देना

(D) मातृभाषा में शिक्षा का विस्तार होना

(ii) स्वास्थ्य और चिकित्सा की दृष्टि से कौन-से देश अच्छी स्थिति में हैं?

(A) मातृभाषा में चिकित्सीय शिक्षा देने वाले देश

(B) अपनी राष्ट्रभाषा को मातृभाषा बनाने वाले देश

(C) राष्ट्रभाषा और मातृभाषा को समान मानने वाले देश

(D) अंग्रेज़ी भाषा से दूरी बनाने वाले देश

(iii) भारत में क्षेत्रीय भाषाओं के अपेक्षाकृत कम विकसित होने के क्या कारण हैं?

(A) हिंदी भाषा का वर्चस्व

(B) अंग्रेज़ी भाषा का वर्चस्व

(C) उपयुक्त प्रयासों का अभाव

(D) स्थानीय इच्छाशक्ति का अभाव

(iv) 'मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना आसान होता है।' इस कथन के पक्ष में निम्नलिखित में से कौन-सा / कौन-से तर्क सही है/हैं?

1. मातृभाषा में प्राप्त ज्ञान को समझना सरल है।

2. मातृभाषा में प्राप्त ज्ञान को समझना जटिल है।

3. मातृभाषा अन्य भाषाओं से सरल स्वरूप होती है।

4. मातृभाषा और दूसरी भाषाओं में कोई अंतर नहीं है।

विकल्प **:**

(A) 1 सही है। **(B)** 3 सही है।

(C) 1 और 2 सही हैं। **(D)** 1 और 4 सही हैं।

(v) **कथन और कारण** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए **:**

कथन - भारत में शिक्षा के माध्यम में बदलाव वर्तमान की आवश्यकता है।

कारण - शिक्षा के माध्यम के प्रति दृष्टिकोण समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(D) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **$1 \times 5 = 5$**

सच से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं, जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप, अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें, काँटे चुभें कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।
हमने रचा आओ हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को।
वह क्या मिलन, मिलना वही जो मोड़ दे मँझधार को।

(i) 'अपने-आप से' लड़ने का क्या अभिप्राय है?

(A) अपने भीतर उठे अंतर्द्वंद्व से लड़ना

(B) अपने भीतर की कमजोरियों से लड़ना

(C) अपनी शारीरिक कमजोरियों से लड़ना

(D) अपनी मानसिक व्याधियों से लड़ना

(ii) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ' क्यों कहा गया है?

(A) झुकना घमंड का परिचायक है।

(B) झुकना विनम्रता का परिचायक है।

(C) झुकने वाला मृतक के समान है।

(D) स्वाभिमान रहित जीवन मृतक के समान है।

(iii) काव्यांश का संदेश है**:**

(A) हर प्रकार की परिस्थिति से समझौता कर स्वयं को ढालने का।

(B) जीत की संभावना वाले मार्ग पर ही आगे बढ़ने का।

(C) कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उससे हार न मानने का।

(D) हार की संभावना होने पर नवीन लक्ष्य के निर्माण का।

(iv) 'काँटे' और 'कलियाँ' किसके प्रतीक है?

(A) सुख और दु:ख के।

(B) दु:ख और सुख के।

(C) समृद्धि और उत्कर्ष के।

(D) निर्माण और पतन के।

(v) **कथन** और **कारण** पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए**:**

कथन - मानव मात्र का जीवन संघर्षपूर्ण है।

कारण - मानव मात्र को अपने जीवन की सम-विषम हर तरह की परिस्थितियों का डटकर सामना करना चाहिए।

(A) कथन गलत है और कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 4 = 4**

(i) 'जब बाबू जी रामायण का पाठ करते तब हम उनकी बगल में बैठे रहते।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) बाबूजी रामायण का पाठ करते और हम उनकी बगल में बैठे रहते।

(B) जिस समय बाबूजी रामायण का पाठ करते उस समय हम उनकी बगल में बैठे रहते।

(C) बाबूजी के रामायण का पाठ करते समय हम उनकी बगल में बैठे रहते।

(D) जब बाबूजी द्वारा रामायण का पाठ किया जाता तब हम भी साथ ही बैठे रहते।

(ii) 'माँ थाली में दही-भात सानती और बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।'- इसे सरल वाक्य में बदला जाए तो वाक्य होगा :

(A) माँ जब भी थाली में दही-भात सानती तब बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।

(B) माँ थाली में दाल-भात सानती और छोटे-छोटे कौर बनाकर मुझे खिलाती जाती।

(C) माँ थाली में दही-भात सानकर बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।

(D) माँ थाली में अपने लिए दही-भात सानती पर कौर बनाकर मुझे खिला देती।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. जब दुलारी ने केश बाँध लिए तब उसने खिड़की खोल दी।
2. उसने सिर का पसीना सुखाया और वहीं खड़ी हो गई।
3. टुन्नू जब दरवाज़े पर खड़ा था तब उसके पास एक पोटली थी।
4. उसकी गृहस्थी बड़ी कठिनाई से चल रही थी फिर भी उसे चिंता नहीं थी।

विकल्प :

(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4

(C) 2 और 4 (D) 1 और 3

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य का उदाहरण है:

(A) उसने बंडल निकाला और उसे पकड़ा दिया।

(B) वहाँ जल-संचय का उचित प्रबंध है।

(C) तुम जाओ, मैं कल ही लौट जाऊँगा।

(D) जब बर्फ़ गिरती है तब मुश्किल होती है।

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. मूर्ति के आसपास का तालाब सुखाकर साफ़ किया गया।	I. मिश्र वाक्य
2. उसकी रवाब निकाली गई और ताज़ा पानी डाला गया।	II. संयुक्त वाक्य
3. जब बात हुक्कामों तक पहुँची तब बड़ी खलबली मची।	III. सरल वाक्य

विकल्प :

(A)	1 I	2 II	3 III
(B)	1 III	2 II	3 I
(C)	1 II	2 III	3 I
(D)	1 III	2 I	3 II

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1 × 4 = 4**

(i) 'लेखक ने अपने तर्कों से उनकी दलीलों का खंडन किया।' - वाक्य में वाच्य है:

(A) कर्मवाच्य (B) भाववाच्य

(C) कर्तृवाच्य (D) क्रियावाच्य

(ii) 'संगतकार द्वारा मुख्य गायक का उत्साह बढ़ाया गया।' प्रस्तुत वाक्य का वाच्य पहचानिए:

(A) कर्तृवाच्य (B) अकर्मवाच्य

(C) कर्मवाच्य (D) भाववाच्य

(iii) 'कवि ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया है।' इसका कर्मवाच्य होगा:

(A) कवि श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन करते हैं।

(B) कवि द्वारा श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया गया है।

(C) कवि श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कर पाते हैं।

(D) कवि ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया था।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण है/हैं:

1. प्रधानाचार्य द्वारा निर्देश जारी किया गया।

2. उसकी दादी से खड़ा नहीं रहा जाता।
3. सज्जन अपने से बड़ों की सेवा करते हैं।
4. खिलाड़ी से अब दौड़ा नहीं जाता।

विकल्प:

(A) 1, 3 और 4 (B) 2 और 4
(C) 1 और 3 (D) 3 और 4

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. घायल पक्षी से उड़ा नहीं जा सका।	I. कर्तृवाच्य
2. कवि बादल में क्रांति का स्वर सुनता है।	II. कर्मवाच्य
3. उससे वह गीत नहीं गाया गया।	III. भाववाच्य

विकल्प :

(A)	1 II	2 III	3 I
(B)	1 III	2 II	3 I
(C)	1 III	2 I	3 II
(D)	1 I	2 II	3 III

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1 × 4 = 4**

(i) '<u>शीला जी</u> ने साहित्य का दायरा ही बढ़ा दिया।' - वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है:

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्म' कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'करण' कारक

(ii) 'लेखक ने <u>उस</u> घटना को पूरी ईमानदारी से लिखा।' रेखांकित पद का परिचय होगा:

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्म' कारक
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य - 'घटना'
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य - 'घटना'
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्म' कारक

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है?

(A) एक चिड़िया हमारी खिड़की पर डरी-डरी बैठी थी।
(B) पापा की आवाज़ सुनकर मैं बाहर निकल गया।
(C) यह खेल तो खुले में ही खेला जा सकता है।
(D) उस ड्राइवर ने अचानक जोर से ब्रेक लगाई।

(iv) 'कस्बे की नगरपालिका <u>प्रतिवर्ष</u> कुछ नया करती थी।' रेखांकित पद का परिचय है:

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'नया करना' क्रिया की विशेषता।
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'करना' क्रिया की विशेषता।
(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(v) 'बचपन में <u>मैं</u> दुबली-पतली और साँवली थी।' रेखांकित पद का परिचय है:

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।
(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, 'दुबली-पतली' विशेष्य।
(D) उत्तम पुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1 × 4 = 4**

(i) 'पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल सों पग धोए।' इस काव्य-पंक्ति में अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा (B) श्लेष
(C) यमक (D) अतिशयोक्ति

(ii) 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ बसंती रजनी' - इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) मानवीकरण (B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा (D) अतिशयोक्ति

(iii) 'विद्या धन उद्यम बिना कहौ जु पावै कौन।
बिना डुलाए ना मिले ज्यों पंखा की पौन॥'
इन काव्य-पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(A) यमक (B) श्लेष
(C) मानवीकरण (D) उत्प्रेक्षा

(iv) 'मृदु मिट्टी के हैं बने हुए
मधु घट फूटा ही करते हैं।'
इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) मानवीकरण **(B)** श्लेष

(C) उत्प्रेक्षा **(D)** यमक

(v) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन-सी पंक्ति अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण है?

(A) विश्व शलभ सिर धुन कहता मैं, हाय न जल पाया तुझमें मिल।

(B) अंबर के आनन को देखो, कितने इसके तारे टूटे।

(C) वह दौड़ रहा अरि मस्तक पर, वह आसमान का घोड़ा था।

(D) ज्यौं-ज्यों बूड़े स्याम रंग, त्यौं-त्यों उज्जलु होई।

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार॥

(i) 'नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा'- पंक्ति के संदर्भ में राम के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

(A) संयम **(B)** सरलता

(C) विनम्रता **(D)** वीरता

(ii) परशुराम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को क्या चेतावनी दी?

(A) सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की

(B) राजा जनक की सभा से बाहर निकल आने की

(C) राजा जनक की सभा में उसे मार डालने की

(D) उसके साथ आजीवन शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने की

(iii) 'न त मारे जैहहिं सब राजा'- यह कथन परशुराम के ________ उदाहरण है।

(A) शौर्य का **(B)** अहंकार का

(C) क्रोध का **(D)** गौरव का

(iv) सेवक किसे कहा गया है?

(A) मधुर वचन बोलने वाले को

(B) सेवा करने वाले को

(C) कभी क्रोध न करने वाले को

(D) विनम्रतापूर्ण व्यवहार करने वाले को

(v) परशुराम की धनुष पर ममता होने का क्या कारण था?

(A) उनके आराध्य शिव का धनुष होना

(B) उनके गुरु विश्वामित्र का धनुष होना

(C) अपने पिता का आशीर्वाद समझना

(D) धनुष का अत्यंत प्राचीन होना

8. पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×2=2**

(i) संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है? अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए:

(A) उसके समान ही अपनी पहचान बनाने के लिए।

(B) प्रदर्शन के दौरान उसका उत्साह बढ़ाने के लिए।

(C) उसके प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए।

(D) उसके स्वर को सहारा देने के लिए।

(ii) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे द्वारा पिता को एकटक देखे जाने का क्या कारण था?

(A) ऐसे एकटक देखना उसका स्वभाव था।

(B) उसे पलकें झपकाना नहीं आता था।

(C) वह उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा था।

(D) वह उनकी उपेक्षा करने का प्रयास कर रहा था।

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

आजाद हिंद फ़ौज के मुकदमे का सिलसिला था। सभी कॉलेजों, स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान था। जो-जो नहीं कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा-जाकर हड़ताल करवा रहा था। शाम को अजमेर का पूरा विद्यार्थी-वर्ग चौपड़ (मुख्य बाज़ार का चौराहा) पर इकट्ठा हुआ और फिर हुई भाषणबाज़ी। इस बीच पिताजी के एक निहायत दकियानूसी मित्र ने घर आकर अच्छी तरह पिताजी की लू उतारी, "अरे! उस मन्नू की तो मत मारी गई है पर भंडारी जी आपको क्या हुआ? ठीक है, आपने लड़कियों को आज़ादी दी, पर देखते आप, जाने कैसे-कैसे उलटे-सीधे लड़कों के साथ हड़तालें करवाती, हुड़दंग मचाती फिर रही है वह। हमारे आपके घरों की लड़कियों को शोभा देता है यह सब? कोई मान-मर्यादा, इज़्ज़त आबरू का खयाल भी रह गया है आपको या नहीं?" वे तो आग लगाकर चले गए और पिताजी सारे दिन भभकते रहे, "बस, अब यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ। बंद करो अब इस मन्नू का घर से बाहर निकलना।"

इस सबसे बेखबर मैं रात होने पर घर लौटी तो पिताजी के एक बेहद अंतरंग और अभिन्न मित्र ही नहीं, अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित डॉ. अंबालाल जी बैठे थे। मुझे देखते ही उन्होंने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया।

(i) "बंद करो अब इस मन्नू का घर से निकलना।" गद्यांश में यह निर्देश किसे दिया गया है?

(A) माँ को **(B)** मन्नू को

(C) पिताजी को **(D)** बहन को

(ii) पिताजी के भभकने का क्या कारण था?

(A) मन्नू का हड़तालादि में भाग लेना।

(B) मन्नू की गतिविधियों पर माँ की असहमति।

(C) पिताजी के मित्र द्वारा मन्नू की शिकायत।

(D) पिताजी की स्वयं ही मन्नू से नाराज़गी।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा है –

(A) ओजपूर्ण भाषा **(B)** सूक्तिप्रधान भाषा

(C) मुहावरेदार भाषा **(D)** संस्कृतनिष्ठ भाषा

(iv) हड़ताल का आह्वान क्यों किया जा रहा था?

(A) आज़ाद हिंद फ़ौज के खिलाफ़ मुकदमे के विरोध में।

(B) भारत के लिए पूर्ण स्वराज की माँग के लिए।

(C) छात्रों के लिए बेहतर अधिकार और सुविधाओं के लिए।

(D) कॉलेज प्रशासन द्वारा छात्रों के खिलाफ़ कार्यवाही के विरोध में।

(v) पूरा छात्र-वर्ग चौपड़ पर क्यों एकत्रित हुआ?

(A) आयोजित हड़ताल के समर्थन के लिए।

(B) यातायात बंद करवाने के लिए।

(C) समारोह के आयोजन के लिए।

(D) दुकानें पुन: बंद करवाने के लिए।

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×2=2**

(i) बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते थे? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

(A) उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि होने के कारण उन्हें काशी से विशेष लगाव था।

(B) अपने पुरखों के समान वे भी काशी के बालाजी से जुड़े रहना चाहते थे।

(C) काशी से दूर जाने पर उन्हें स्वयं पर विश्वास कम प्रतीत होने लगता था।

(D) बाबा विश्वनाथ और गंगा मइया के कारण, दोनों ही काशी में, जिनसे उनका लगाव था।

(ii) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक को नवाब साहब 'नयी कहानी' के लेखक कब लगे?

(A) उन्हें पहली बार रेलगाड़ी के डिब्बे में देखकर।

(B) उन्हें खीरा खाने की तैयारी करते हुए देखकर।

(C) उन्हें खीरा सूंघकर उसका रसास्वादन करते देखकर।

(D) उनके बिना खीरा खाए ही ऊँची डकार को सुनकर।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए: **2 × 3 = 6**

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि पान वाले ने कैप्टन को 'पागल' क्यों कहा?

(ख) 'संस्कृति' पाठ से ली गई पंक्ति 'संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है,....।' में 'कूड़े-करकट' से क्या अभिप्राय है?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ का जीवन वर्तमान और भावी पीढ़ी को क्या संदेश देता है?

(घ) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर लिखिए कि अपनी पतोहू के प्रति बालगोबिन भगत का व्यवहार उनके किन गुणों को उजागर करता है?

12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2 × 3 = 6**

(क) 'आत्म कथ्य' कविता से ली गई 'अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास' पंक्ति का क्या आशय है?

(ख) 'उत्साह' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) सूरदास के 'पद' के अनुसार गोपियों को ऐसा क्यों लगा कि कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है?

(घ) फागुन मास में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन, 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर कीजिए।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: **4 × 2= 8**

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका को कब और क्यों लगा कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है?

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में जिस ग्राम्य जीवन और संस्कृति का उल्लेख है, उसमें वर्तमान में क्या अंतर आया है? क्या उस अंतर को आप सकारात्मक मानते हैं?

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए कि क्या एक रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं? आपकी दृष्टि में वे कौन-से बाहरी दबाव हैं जो रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं?

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: **6**

(क) साइबर सुरक्षा : जागरूकता ही समाधान
भूमिका, अर्थ, वर्तमान में चर्चा का कारण, जागरूकता का प्रभाव

(ख) सौर ऊर्जा : सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
भूमिका, स्रोत, देश के लिए क्यों आवश्यक, लाभ

(ग) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
भूमिका, उद्देश्य, संसार की लगभग आधी आबादी, महिलाओं की स्थिति पर प्रभाव

15. (क) आप चंदा/चंदन हैं। खराब जीवनशैली के कारण आपके मित्र का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। संयमित और स्वस्थ जीवनशैली का महत्त्व बताते हुए लगभग 100 शब्दों में उसे एक पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ख) पुलिस द्वारा उठाए गए विविध कदमों से शहर में अपराध कम तो हुआ है पर अभी और सुधार की आवश्यकता है। अपने क्षेत्र के दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर जन सामान्य का ध्यान इस ओर दिलाइए कि अपराध पर अंकुश सिर्फ पुलिस की ही नहीं बल्कि समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। **5**

16. (क) आप रजनी/राजन हैं। आपके विद्यालय की पत्रिका 'प्रखर' के लिए छात्र संपादक की नियुक्ति होनी है। आप उक्त पद के योग्य हैं। इस पद के लिए प्रधानाचार्य को संबोधित कर लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त तैयार कीजिए। **5**

अथवा

(ख) आप राजन/रजनी हैं। अपने बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

17. (क) राज्य परिवहन निगम की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

अथवा

(ख) आपके कक्षाध्यापक का चयन उप प्रधानाध्यापक के पद पर हुआ है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए। **5**

Delhi Set-2 — 3/1/2

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

(i) 'यद्यपि जीप कस्बे से आगे बढ़ गई परंतु हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा:

(A) जीप के कस्बे से आगे बढ़ जाने पर भी हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।

(B) जीप कस्बे से आगे बढ़ गई और हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।

(C) हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे और जीप कस्बे से आगे बढ़ गई।

(D) जब जीप कस्बे से आगे बढ़ गई तब हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचने लगे।

(ii) 'वे स्वयं पढ़ना-लिखना न जानते हुए भी दूसरों में दोष निकाला करते हैं।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है :

(A) वे स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं परंतु दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

(B) हालाँकि वे स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते परंतु दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

(C) जो स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते वे भी दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

(D) स्वयं पढ़ना-लिखना न जानने वाले भी अक्सर दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. बहुत-से उच्च शिक्षा प्राप्त लोग भी इस बात का खंडन ही करते हैं।

2. बौद्धों का त्रिपिटक प्राकृत में रचा गया और यह महाभारत से भी बड़ा है।

3. लेखक ने स्त्रियों के प्राकृत बोलने को उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं माना।
4. यदि कोई शिक्षा-प्रणाली स्त्री-शिक्षा को अनर्थकारी बताए तो उसमें संशोधन होना चाहिए।

विकल्प :

(A) केवल 2 सही **(B)** केवल 4 सही
(C) 2 और 4 सही **(D)** 1 और 3 सही

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य का उदाहरण नहीं है:

(A) मुख्य गायक की सफलता में उसका भी सम्मान छिपा है।
(B) संगतकार गायन के स्थायी का स्वर हमेशा पकड़कर रखता है।
(C) संगतकार के बिना मुख्य गायक की सफलता संदिग्ध बनी रहती है।
(D) जो मुख्य गायक है उसके बिना संगतकार का अस्तित्व नहीं है।

(v) स्तंभ 1 को स्तंभ 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. जो बात तथ्य आधारित है उसे तो बेझिझक मान लेनी चाहिए।	**I.** संयुक्त वाक्य
2. बरसात में बच्चे बाहर जाते हैं और माता-पिता डर जाते हैं।	**II.** सरल वाक्य
3. आजकल माता-पिता अपने बच्चों का बहुत अधिक ध्यान रखते हैं।	**III.** मिश्र वाक्य

विकल्प :

(A)	1 III	2 I	3 I
(B)	1 I	2 II	3 III
(C)	1 III	2 II	3 I
(D)	1 II	2 III	3 I

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

(i) 'संपादक महोदय बधाई देने के लिए सीधे घर चले आए।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है:

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक

(ii) 'अपनी माँ को याद करके वे भावुक हो जाते थे।'- रेखांकित पद का परिचय है:

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(B) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(D) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है?

(A) नागार्जुन की आरंभिक शिक्षा संस्कृत पाठशाला में हुई।
(B) वे बौद्ध धर्म में दीक्षित होने के लिए श्रीलंका गए थे।
(C) दो साल के प्रवास के बाद ही वे स्वदेश लौट आए।
(D) अर्धकथानक हिंदी की पहली आत्मकथा मानी जाती है।

(iv) 'मैं बचपन में पिताजी से बहुत डरती थी।' रेखांकित पद का परिचय है:

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बचपन' विशेष्य
(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) अन्य पुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(v) 'वे हमारे हँसी-मज़ाक में निर्लिप्त भाव से शामिल रहते।' रेखांकित का पद-परिचय है:

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता
(C) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2 × 3= 6**

(क) वैसे तो पान वाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परंतु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास क्यों हो गया?

(ख) संस्कृति और सभ्यता अलग-अलग कैसे हैं? पठित पाठ 'संस्कृति' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ का लेखक "बिस्मिल्ला खाँ का मतलब - बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य बिस्मिल्ला खाँ का हाथ।" ऐसा क्यों मानता है?

(घ) गंगा-स्नान के लिए आने-जाने के दौरान चार-पाँच दिनों तक बालगोबिन भगत उपवास क्यों रखते थे?

12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2 × 3= 6**

(क) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि स्वयं को थका हुआ पथिक क्यों कहता है?

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि ने धाराधर किसे और क्यों कहा है?

(ग) गोपियों ने उद्धव द्वारा बताए गए योग को व्याधि क्यों कहा है? सूरदास के 'पद' के आधार पर बताइए।

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर 'कहीं पड़ी है उर में, मंद-गंध-पुष्प-माल' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

14. (क) आप कुमुद/कुमुदिनी हैं। बड़े प्रयासों और प्रतीक्षा के बाद आपकी बहन का स्थानान्तरण अपने गृह-नगर में हो गया है। इसके लिए उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। **4**

अथवा

(ख) 'जल संरक्षण' के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

Delhi Set-3 **3/1/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'यद्यपि वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है:

(A) वह उसके आग्रह को न मानकर अपने निर्णय पर अटल रहे।

(B) हालाँकि उसने उनसे आग्रह किया परंतु भगत अपने निर्णय पर अटल रहे।

(C) उसके उनसे आग्रह करते रहने पर भी भगत का निर्णय अटल ही रहा।

(D) वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।

(ii) 'जब एक रीड गीली हो जाती थी तब वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।' इसका सरल वाक्य होगा:

(A) एक रीड के गीली हो जाने पर वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।

(B) एक रीड गीली हो जाती थी इसलिए वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।

(C) वे एक नहीं, दो रीड का इस्तेमाल करते थे क्योंकि एक गीली हो जाती थी।

(D) चूँकि एक रीड गीली हो जाती थी इसलिए वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।

(iii) 'उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा:

(A) जब उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे तब उन्हें गोदकर झाग निकाला।

(B) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटने के बाद उन्हें गोदकर झाग निकाला।

(C) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।

(D) दोनों खीरों को गोदकर झाग निकालने के लिए उन्होंने उनके सिर काटे।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. कोई भगत के संगीत को अपने कोलाहल में नहीं डुबो सकता।

2. उस समय मेरे कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी।

3. वे कबीर को मानते थे और उन्हीं के आदेशों पर चलते थे।

4. वे किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते थे।

विकल्प:

(A) 1 और 2 **(B)** 3 और 4

(C) केवल 3 सही **(D)** केवल 4 सही

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ-1	स्तंभ-2
1. अब उनका बुढ़ापा आ गया था किंतु टेक वही जवानी वाली थी।	**I.** मिश्र वाक्य
2. अभी थोड़ी देर पहले ही मूसलाधार वर्षा खत्म हुई है।	**II.** संयुक्त वाक्य
3. वे जब इस बार लौटे तो तबीयत कुछ सुस्त थी।	**III.** सरल वाक्य

विकल्प :

(A)	1 I	2 II	3 III
(B)	1 II	2 III	3 I
(C)	1 III	2 II	3 I
(D)	1 III	2 I	3 II

2. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उचित विकल्प चयन कर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'उसकी दुकान हड़ताल के आह्वान के कारण बंद थी।' इस वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है:

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(ii) 'उस गाँव में उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे।' में रेखांकित पद का परिचय होगा:

(A) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

(B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'गाँव' विशेष्य

(D) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गाँव' विशेष्य

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है?

(A) वे अपने परिवार से मिलने भारत से बेल्ज़ियम गए।

(B) साहित्यिक मोर्चे पर भी उन्होंने बहुत संघर्ष किया।

(C) सावन में बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं।

(D) नागार्जुन ने अनेक बार संपूर्ण भारत की यात्रा की।

(iv) 'जोश और उत्साह से मैं भी उन सबमें भाग ले रही थी।' वाक्य में रेखांकित का सही पद-परिचय है :

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(C) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(D) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(v) 'बच्चे ने मुसकराकर अपनी माँ की ओर देखा।' रेखांकित पद का परिचय है :

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

(B) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

(C) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(D) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **3×2=6**

(क) पार्कों में, सड़कों के किनारे, चौराहों पर उपेक्षित पड़ी मूर्तियाँ अक्सर देखी जा सकती हैं। ऐसी मूर्तियों के रख-रखाव का उत्तरदायित्व किसका है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) सुसंस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ ने सम पर आना कैसे और कब सीखा?

(घ) "बालगोबिन भगत के स्वरों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था।" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **3×2=6**

(क) 'आत्मकथ्य' कविता में आई पंक्ति 'मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ, देखो कितनी आज घनी।' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि बादलों की तुलना काले-घुंघराले बालों से क्यों करता है?

(ग) सूरदास के 'पद' में उद्धव के व्यवहार की तुलना किनसे और क्यों की गई है?

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की शोभा का वर्णन कीजिए।

17. (क) आप रीतेश/रीतिका हैं। दो वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद अंततः आपकी बहन का चयन संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विधि स्नातक (एल.एल.बी.) पाठ्यक्रम में हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। **4**

अथवा

(ख) सार्वजनिक रूप से आयोजित दावतों में अन्न की बरबादी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए, 'अन्नदान-महादान' विषय पर लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

❑❑❑

Outside Delhi Set-1 **3/2/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

तकनीक की एक विशेषता यह होती है कि जब वह सबके पास पहुँच जाती है, तो अपनी हैसियत खो देती है। व्यापार जगत पर नई तकनीक के लिए दबाव बनने लगते हैं और समाज भी उसके लिए तैयार हो जाता है। टी.वी. के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। समाज से बेशक टेलीविज़न खत्म नहीं हुआ, लेकिन जिस अर्थ में इसको हमारे समाज ने परिभाषित किया था, उस अर्थ में यह अपना वजूद काफ़ी तेज़ी से खो रहा है। टी.वी. का परंपरागत रूप वह है, जिसमें कुछ चैनल होते हैं। एक निश्चित समय पर उनके कार्यक्रम होते हैं और उन कार्यक्रमों को देखने के लिए आपको उस समय उसके सामने बैठना होता है। बदलते समय के साथ जो कुछ हम टी.वी. पर देखते थे, वह अब हमें अपने मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट पर भी देखने को मिलता है।

अक्सर जब हम भविष्य की कल्पना करते हैं, तो हमारे आस-पास जो भी कुछ उपलब्ध होता है, उसी के आधार पर आगे की सुध लेते हैं। किसने सोचा था कि स्मार्टफोन नाम की एक चीज आएगी और सब कुछ बदल जाएगा। आज जो टेलीविज़न-सेट बाज़ार में मिलते हैं, वे सब स्मार्टफोन की नकल करते दिखाई देते हैं। उन्हें कहा भी स्मार्ट टी.वी. ही जाता है। वे तेज़ी से स्मार्टफोन का व्याकरण और गणित अपनाते जा रहे हैं। पारंपरिक टी. वी. हमारी ज़रूरतों पर पूरा नहीं उतर रहा, इसलिए धीरे-धीरे विदा हो रहा है। हमारी यात्रा जिस जगह पहुँच चुकी है, वहाँ किसी भी 'बुद्धू-बक्से' को तब तक स्वीकार नहीं किया जा सकता, जब तक वह स्मार्ट न हो जाए।

(i) गद्यांश के आधार पर परंपरागत टेलीविज़न के वजूद खोने का कारण है –

(A) क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारण की सुविधा का न होना।

(B) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रसारण की सुविधा का न होना।

(C) सीमित चैनलों पर आने वाले सीमित कार्यक्रम।

(D) सीमित चैनलों पर निश्चित समय पर आने वाले कार्यक्रम।

(ii) गद्यांश के अनुसार, भविष्य की कल्पना का आधार क्या होता है ?

(A) अतीत की उपलब्धि

(B) वर्तमान की उपलब्धि

(C) विकसित देशों की उपलब्धि

(D) विकासशील देशों की उपलब्धि

(iii) 'स्मार्ट टी.वी.' कहा जाता है –

(A) सुंदर, सजीले, शोभनीय टी.वी. को

(B) पारंपरिक टी.वी. से भिन्न आधुनिक टी.वी. को

(C) आधुनिक तकनीकी सुविधा से युक्त टी.वी. को

(D) स्मार्टफोन की तकनीक उपलब्ध कराने वाले टी.वी. को

(iv) 'बुद्धू बक्सा' संकेतार्थ है –

(A) रेडियो का **(C)** टेप रिकार्डर का

(B) टी.वी. का **(D)** वीडियो प्लेयर का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: सबके पास पहुँचने पर तकनीक अपना मूल्य खोने लगती है।

कारण: लोग उससे बेहतर तकनीक की उम्मीद करने लगते हैं।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

हमीं ने दिया शांति संदेश, सुखी होते देकर आनंद।
विजय लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम।
यवन को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि।
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील को सिंहल को भी सृष्टि।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं।
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।
जातियों का उत्थान, पतन, आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर।
खड़े देखा, झेला हँसते, प्रलय में पले हुए हम वीर।
चरित के पूत भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न।
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव।
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

(i) 'आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर' पंक्ति में 'आँधियाँ और प्रचंड समीर' प्रतीकार्थ हैं –

(A) देश में समय-समय पर आए प्राकृतिक आपदाओं का।

(B) देश में समय-समय पर भारतीयों द्वारा प्रदर्शित वीरता का।

(C) देश में समय-समय पर भारतीयों में आए पतन का।

(D) देश में समय-समय पर आए भीषण संकटों का।

(ii) 'विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम' का आशय है-

(A) धरती पर अस्त्र-शस्त्रों से विजय प्राप्त की जाती है, धर्म से नहीं।

(B) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है।

(C) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है, अस्त्र-शस्त्रों से नहीं।

(D) धरती पर धर्म की ध्वजा फहरानी चाहिए अस्त्र-शस्त्रों की नहीं।

(iii) 'हमीं ने दिया शांति संदेश' में 'हमीं' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(A) कवि के लिए

(B) भारतवासियों के लिए

(C) लेखक के लिए

(D) बुद्ध के लिए

(iv) काव्यांश के आधार पर अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए:

(A) भारत में सबके लिए भिक्षाटन की परंपरा रही है।

(B) यहाँ राजा भी निर्लिप्त भाव से रहते आए हैं।

(C) भारतीय शक्तिशाली होते हुए भी विनम्र हैं।

(D) भारत पर प्रकृति की सदा अनुकम्पा रही है।

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: भारत सदा से एक शांतिप्रिय देश रहा है।

कारण: भारत ने कभी विदेशी आक्रमणों का डटकर सामना नहीं किया।

(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।

(B) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन एवं कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: **4×1=4**

(i) 'कस्बे में लड़कों और लड़कियों का एक स्कूल था।' – इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा –

(A) कस्बे में एक लड़कों का स्कूल था और एक लड़कियों का स्कूल था।

(B) कस्बे में लड़कों का तो स्कूल था ही साथ में एक लड़कियों का भी स्कूल था।

(C) कस्बे में दो स्कूल थे जिसमें एक लड़कों का और दूसरा लड़कियों का था।

(D) कस्बे में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए एक-एक स्कूल था।

(ii) 'यदि संस्कृति का कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति बन जाएगी।' - इस वाक्य का सरल वाक्य में उपयुक्त रूपांतरण है -

(A) संस्कृति में कल्याण की भावना होनी चाहिए नहीं तो वह असंस्कृति बन जाती है।

(B) संस्कृति में जब कल्याण की भावना नहीं रहती तो वह असंस्कृति बन जाती है।

(C) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर संस्कृति असंस्कृति बन जाएगी।

(D) संस्कृति कल्याणकारी होती है, उसमें यह भावना खत्म होने पर वह असंस्कृति बन जाती है।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. यह एक सफल और अत्यंत सराहनीय प्रयास था।

2. मूर्ति पर चश्मा तो था लेकिन वह संगमरमर का नहीं था।

3. उस चश्में को देखकर उनके चेहरे पर कौतुक भरी मुसकान फैल गई।

4. जो योग्यता किसी से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।

(A) 1 और 3 **(B)** 1 और 2

(C) 4 और 2 **(D)** 4 और 1

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है:

(A) वह अपना खाना स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था।

(B) उस युवा लड़की ने आज़ादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

(C) मनुष्य की आज की व्यथा को उन्होंने बखूबी समझा और व्यक्त किया है।

(D) रुद्र जी जितने निष्ठावान काशी के प्रति थे उतने ही साहित्य के प्रति भी निष्ठावान थे।

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ-1	स्तंभ-2
1. क्योंकि वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।	**I.** संयुक्त वाक्य
2. अनुभूतिजन्य होने के कारण वह मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।	**II.** मिश्र वाक्य
3. वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।	**III.** सरल वाक्य

विकल्प :

(A)	1-III	2-I	3-II
(B)	1-II	2-I	3-III
(C)	1-III	2-II	3-I
(D)	1-II	2-III	3-I

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'लेखक ने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।' इस वाक्य का वाच्य पहचानकर लिखिए:

(A) कर्तावाच्य **(B)** कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य **(D)** कर्तृवाच्य

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण वाक्य <u>नहीं</u> है:

(A) इस मोर से उड़ा नहीं जाता।

(B) मोहित बहुत सुरीला गा पाता है।

(C) दादाजी से पैदल चला नहीं जाता।

(D) चलो, अब यहाँ से चला जाए।

(iii) 'द्विवेदी जी द्वारा स्त्रियों को शिक्षा देने की वकालत की गई।' - यह वाक्य किस वाच्य का उदाहरण है ?

(A) कर्मवाच्य **(B)** क्रियावाच्य

(C) भाववाच्य **(D)** कर्तृवाच्य

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में 'कर्मवाच्य' पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. कमलेश्वर ने आत्मकथा, यात्रा-वृत्तांत और संस्मरण भी लिखे हैं।

2. मधु कांकरिया ने कोलकाता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम. ए. किया।

3. उनके द्वारा युवावर्ग की समस्याओं को केंद्र में रखा गया।

4. रुद्र जी द्वारा अध्यापन और संपादन दोनों कार्य किया गया।

(A) 1 और 2 **(B)** 2 और 3

(C) 3 और 4 **(D)** 1, 3 और 4

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

स्तंभ-1	स्तंभ-2
1. माताजी से खाली बैठा नहीं जाता।	**I.** कर्मवाच्य
2. वह खट्टे फल खाना पसंद नहीं करता।	**II.** भाववाच्य
3. उससे लंबी कविता नहीं लिखी जाती।	**III.** कर्तृवाच्य

विकल्प :

(A)	1-II	2-III	3-I
(B)	1-III	2-II	3-I
(C)	1-II	2-I	3-III
(D)	1-I	2-II	3-III

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए: **4×1=4**

(i) 'अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।' – इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?

(A) यमक **(B)** मानवीकरण
(C) श्लेष **(D)** उत्प्रेक्षा

(ii) "जे रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारो करै, बढ़े अंधेरो होय॥"
– इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है –

(A) मानवीकरण **(B)** उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष **(D)** यमक

(iii) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन सी काव्य-पंक्ति मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है ?

(A) है टूट पड़ा भू पर अंबर
(B) पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी
(C) कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढ़े महावत।
(D) फूटे हैं आमों में बौर, भौंर वन-वन टूटे हैं।

(iv) 'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।' – इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(A) अतिशयोक्ति **(B)** उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष **(D)** मानवीकरण

(v) 'सतसइया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर।
देखन में छोटे लगे, घाव करें गंभीर॥'
– इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(A) यमक **(B)** श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा **(D)** मानवीकरण

6. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए: **4×1=4**

(i) 'लेखिका के व्यक्तित्व पर उनकी बहनों का बड़ा असर पड़ा।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(A) हम यहाँ पहरा देंगे ताकि आप चैन की नींद सो सकें।
(B) कम बोलना चाहिए और ध्यान से सुनना चाहिए।
(C) ये पहाड़ी कुत्ते हैं, सिर्फ़ चाँदनी रात में ही भौंकते हैं।
(D) इन बर्फ़ीले इलाकों में बैसाख के महीने में भी हम ठिठुरने लगे।

(iii) 'माताजी ने अपनी बीमारी का अहसास हमें नहीं होने दिया।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बीमारी' विशेष्य
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'बीमारी' विशेष्य
(C) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(iv) 'हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में कस्बे से गुजरते थे।' में रेखांकित पद का परिचय होगा –

(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता

(v) 'आगे की पढ़ाई के लिए मैं भी बाहर जाना चाहती थी।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक

(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

(C) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम- संभवत: नेताजी से क्षमा माँगते हुए-लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब ! क्या आइडिया है।

लेकिन भाई ! एक बात अभी भी समझ में नहीं आई। हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, नेताजी का ऑरिज़िनल चश्मा कहाँ गया ?

पानवाला दूसरा पान मुँह में ठूँस चुका था। दोपहर का समय था, 'दुकान' पर भीड़-भाड़ अधिक नहीं थी। वह फिर आँखों ही आँखों हँसा। उसकी तोंद थिरकी। कत्थे की डंडी फेंक, पीछे मुड़कर उसने नीचे पीक थूकी और मुसकराता हुआ बोला, मास्टर बनाना भूल गया।

(i) पानवाला आँखों ही आँखों क्यों हँसा ?

(A) ऑरिजिनल चश्मे की बात पर, यह उसकी व्यंग्यात्मक हँसी थी।

(B) वह हालदार साहब पर अपनी हँसी जाहिर नहीं होने देना चाहता था।

(C) हालदार साहब उसको हँसते देखकर बुरा भी मान सकते थे।

(D) आँखों ही आँखों हँसना पानवाले की बहुत पुरानी आदत थी।

(ii) 'मास्टर बनाना भूल गया।' - यहाँ मास्टर के संदर्भ में अनुपयुक्त विकल्प है -

(A) मूर्तिकार (B) मोतीलाल

(C) ड्रॉइंग टीचर (D) कैप्टन

(iii) ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मे का फ्रेम क्यों ले लेते थे ?

(A) नेताजी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए।

(B) ग्राहक नेताजी के समान दिखना चाहते थे।

(C) नेताजी पर लगे होने के कारण वह उन्हें पसंद आ जाता था।

(D) कैप्टन अपने फ्रेमों को उसी मूर्ति पर लगा देता था।

(iv) 'अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई।' इस पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि हालदार साहब क्या समझ गए ?

(A) मूर्ति के चश्मे के बार-बार बदले जाने का कारण।

(B) मूर्ति की आँखों पर चश्मा न होने का कारण।

(C) ग्राहकों द्वारा चश्मा न खरीदे जाने का कारण।

(D) पानवाले और कैप्टन की परस्पर दोस्ती का कारण।

(v) 'कैप्टन मूर्ति से चश्मे का फ्रेम उतारते हुए उनसे क्षमा भी माँगता होगा' लेखक के इस अनुमान का क्या कारण रहा होगा ?

(A) नेताजी के प्रति कैप्टन का अति विश्वास से भरा व्यवहार।

(B) नेताजी के प्रति कैप्टन का दिखावे से भरा आचरण।

(C) कैप्टन को यह लगना कि चश्मे के बिना नेताजी तकलीफ में हैं।

(D) कैप्टन की सोच के बारे में लेखक का अनुमान सर्वथा गलत होना।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×2=2**

(i) 'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका की दृष्टि में उनकी माँ का व्यक्तित्व आदर्श रूप नहीं था क्योंकि

(A) उनकी माँ अपने बच्चों से भेदभाव करती थीं।

(B) उनकी माँ बहुत अधिक पढ़ी-लिखी नहीं थीं।

(C) उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा-दबा सा लगता था।

(D) उनकी माँ बहुत ही आक्रामक स्वभाव की थीं।

(ii) 'संस्कृति' पाठ में सुसंस्कृत व्यक्ति में किस भाव की प्रधानता मानी गई है ?

(A) लोककल्याण की भावना

(B) स्वकल्याण की भावना

(C) बंधुकल्याण की भावना

(D) भाषाकल्याण की भावना

9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×5=5**

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तै, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।

(i) गोपियों को अपना धैर्य टूटता हुआ-सा क्यों लग रहा था?

(A) विरहाग्नि के और बढ़ जाने के कारण।
(B) उद्धव के योग ज्ञान को सुन-सुनकर।
(C) उद्धव के धीरज से प्रभावित होकर।
(D) अपने प्रति कृष्ण के शुष्क व्यवहार से।

(ii) 'सूरदास' के इस 'पद' की भाषा है –

(A) ब्रज भाषा **(B)** अवधी भाषा
(C) पूरबी बोली **(D)** मिश्रित भाषा

(iii) गोपियाँ अब तक व्यथा को कैसे सहन कर रही थीं ?

(A) एक-दूसरे के दु:ख के सहारे
(B) अतीत की मधुर स्मृतियों के सहारे
(C) कृष्ण के आने की आस में
(D) ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करके

(iv) सूरदास के 'पद' के अनुसार किसके मन की, कौन सी बात मन में ही रह गई ?

(A) उद्धव की, ज्ञान देने की
(B) कृष्ण की, संदेश भेजने की
(C) गोपियों की, कृष्ण से मिलन की
(D) उद्धव की, कृष्ण से भक्ति की

(v) गोपियों की विरहाग्नि और अधिक प्रदीप्त क्यों हो जाती है ?

(A) कृष्ण के संदेश भेजने से
(B) उद्धव के आ जाने से
(C) उद्धव के योग-संदेश से
(D) गोपियों के परस्पर दु:ख से

10. पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: **1×2=2**

(i) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चा अपने पिता को क्यों नहीं पहचान पाता ?

(A) माँ ने बच्चे को पिता से मिलवाया नहीं था।
(B) छोटे बच्चे सिर्फ़ अपनी माँ को ही पहचानते हैं।
(C) बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था।
(D) विशेष कारणवश पिता बच्चे को देखना नहीं चाहता था।

(ii) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपने जीवन-पथ की थकान कैसे दूर करता है ?

(A) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।
(B) अपने अतीत की दुखद स्मृतियों के सहारे।
(C) विविध प्रकार के साहित्य-मनन के सहारे।
(D) अपनी स्मृति-अनुभवों पर आधारित साहित्य सृजन करके।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2×3= 6**

(क) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर लिखिए कि मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने अस्तित्व का बोध कब हुआ ?

(ख) 'शहनाई' क्या है? भारतीय संगीत में इसका क्या महत्त्व है ?

(ग) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उनकी उपस्थिति ने नवाब साहब को असहज कर दिया ?

(घ) 'बालगोबिन 'साहब' के भक्त थे।' पंक्ति में वर्णित साहब कौन थे और उनके प्रति उनकी भक्ति के क्या कारण रहे होंगे ?

12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2 × 3 = 6**

(क) परशुराम ने किसकी तुलना सहस्रबाहु से की और क्यों?

(ख) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि निराला ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) संगतकार की आवाज़ में हिचक की अनुभूति कब होती है ? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन मास के प्राकृतिक सौंदर्य का मानव मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: **4 × 2 = 8**

(क) भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेल आज के बच्चों के खेलों से किस रूप में भिन्न है ? आपको दोनों में से कौन से खेल अधिक पसंद हैं और क्यों ?

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'खेदुम' क्या है ? इसके बारे में गैंगटोकवासियों का क्या विश्वास है? क्या उन्हें सही माना जा सकता है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

(ग) एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: **6**

(क) बढ़ती जनसंख्या : गहराता संकट
भूमिका, वर्तमान में चर्चा का कारण, संकट कैसे, समाधान

(ख) हरित ऊर्जा : सुरक्षित भविष्य
भूमिका, अर्थ, प्रभाव, समस्याएँ, समाधान

(ग) सोशल मीडिया : जागरूकता आवश्यक
भूमिका, वर्तमान स्थिति, जागरूकता की आवश्यकता क्यों, प्रभाव

15. (क) आपका नाम अनामिका/अनामय है। भाषा में सुधार हेतु नियमित समाचार पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने की आदत का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ख) आपका नाम अनामिका/अनामय है। पिछले महीने आपने अपना घर बदला है। अपने बैंक खाते में पुराने पते के स्थान पर अपना नया पता बदलवाने के लिए संबंधित बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखें। **5**

16. (क) आप धनुश्री/धनुष हैं। सोशल मीडिया से आपको जानकारी मिली है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में जूनियर कलाकार का पद रिक्त है। आपको लगता है कि आप इस पद के योग्य हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय को भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए। **5**

अथवा

(ख) आप धनुश्री/धनुष हैं। अपने क्षेत्र में जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने शहर के नगर निगम/नगरपालिका को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए। **5**

17. (क) आपके पिताजी घर का प्रथम तल किराए पर देना चाहते हैं, उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ख) आप अवनि/अर्जुन हैं। आपकी बड़ी बहन का भारतीय वायु सेना में पायलट पद के लिए चयन हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। **4**

Outside Delhi Set-2 — 3/2/2

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह थी और चारों ओर तेज़ धूप के वृत्त।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा –

(A) उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह भी थी और उसके साथ धूप भी थी।

(B) वहाँ जो स्थान था वह ऊपर से करील की घनी छाँह और धूप के वृत्त से युक्त था।

(C) उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह के साथ चारों ओर से तेज़ धूप के वृत्त भी थे।

(D) वहाँ चारों ओर तेज़ धूप के वृत्त थे और ऊपर से करील की घनी छाँह भी थी।

(ii) 'हम सबके मन में उनकी स्मृति आजीवन रहेगी।' – इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है –

(A) हम सबके मन में उनकी स्मृति है और आजीवन बनी रहेगी।

(B) आजीवन उनकी स्मृति हम सबके मन में बनी रहेगी।

(C) उनकी जो स्मृति हम सबके मन में है, वह आजीवन बनी रहेगी।

(D) हम सबके मन में जो उनकी स्मृति है वह आजीवन बनी रहेगी।

(iii) 'सर्वेश्वर जी के लिखे स्तंभ में बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा –

(A) सर्वेश्वर जी स्तंभ लिखते थे और उसमें बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।

(B) सर्वेश्वर जी द्वारा लिखे स्तंभ में बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।

(C) सर्वेश्वर जी जो स्तंभ लिखते थे उसमें बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।

(D) बेबाक सच कहने का साहस सिर्फ़ सर्वेश्वर जी के लिखे स्तंभ में दिखता है।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. इलाहाबाद की सड़कों पर फ़ादर की साइकिल चलती दीख रही है।
2. मैंने यह पढ़ लिया है और मैं कुछ बताना चाहता हूँ।
3. उनमें अपने हर एक प्रियजन के लिए स्नेह उमड़ता रहता था।
4. फ़ादर बुल्के एक संन्यासी थे परंतु पारंपरिक अर्थ में नहीं।

(A) 2 और 3 **(B)** 1 और 3

(C) 4 और 3 **(D)** 2 और 4

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ-1	**स्तंभ-2**
1. उनकी शर्त मान ली गई और वे भारत आ गए।	**I.** सरल वाक्य
2. सब छोड़कर वे संन्यासी होने के लिए गुरु के पास गए।	**II.** संयुक्त वाक्य
3. वहाँ जो शांति बरसती थी वह उनके चेहरे पर थिर थी।	**III.** मिश्र वाक्य

विकल्प :

(A)	1-I	2-III	3-II
(B)	1-III	2-II	3-I
(C)	1-II	2-III	3-I
(D)	1-II	2-I	3-III

6. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×4=4**

(i) '<u>नवाब साहब</u> खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थक कर लेट गए।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्ता' कारक

(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'संबंध' कारक

(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'संबंध' कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्ता' कारक

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(A) पानवाला खुशी से पान बनाने लगा।

(B) कैप्टन बाज़ार में फेरी लगाता था।

(C) वे लोग प्रतिवर्ष कुछ नया करते थे।

(D) उसकी कार अचानक झटके से रुक गई।

(iii) '<u>मेरी</u> माँ पाँच भाई-बहनों में सबसे छोटी थी।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'छोटी' विशेष्य

(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, माँ विशेष्य

(C) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(iv) 'पापा तो आज <u>सुबह-सुबह</u> टहलने चले गए।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

(v) '<u>मैं</u> इनको देखते-सुनते ही बड़ी हुई।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

(C) सार्वनामिक विशेषण एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक

(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए **2×3=6**

(क) 'एक कहानी यह भी की लेखिका के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ख) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी के प्राचीन और पारंपरिक संगीत का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(ग) नवाब साहब और लेखक दोनों की इच्छा खीरा खाने की थी फिर भी उन्होंने खीरा क्यों नहीं खाया ?

(घ) कैसे कह सकते हैं कि "बालगोबिन भगत का जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करता है।" - पाठ के आधार पर लिखिए।

13. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। **2×3=6**

(क) 'रामलक्ष्मण परशुराम संवाद' कविता के आधार पर लिखिए कि रघुकुल में किस-किस पर वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता और क्यों ?

(ख) 'उत्साह' शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'संगतकार' कविता में 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ'-किस संदर्भ में कहा गया है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'फ़सल' कविता में कवि ने फ़सल के बारे में क्या कहा है ? फ़सल उपजाने में अपेक्षित तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

14. (क) 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' विषय पर जागरूकता लाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ख) आप मैथिली/मिथिलेश्वर हैं। आपके बड़े भाई साहब स्कूल बैग बनाने का कारखाना शुरू करने जा रहे हैं। उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। **4**

Outside Delhi Set-3 **3/2/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'वे जब भी दिल्ली आते मुझसे ज़रूर मिलते।' इस वाक्य का सरल वाक्य है -

(A) दिल्ली आने पर वह मुझसे ज़रूर मिलते।

(B) वे दिल्ली आते और मुझसे भी ज़रूर मिलते।

(C) वे मुझसे मिलते तथा दिल्ली अवश्य ही आते।

(D) जब कभी वह दिल्ली आते, मुझसे अवश्य मिलते।

(ii) 'कस्बे में एक बड़ा बाज़ार और एक नगरपालिका भी थी।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा -

(A) कस्बे में एक बड़े बाज़ार के साथ एक नगरपालिका भी थी।

(B) क्योंकि कस्बे में एक बड़ा बाज़ार तो था नहीं इसलिए साथ में एक नगरपालिका थी।

(C) कस्बे में एक बड़ा बाज़ार और एक नगरपालिका दोनों साथ-साथ थे।

(D) कस्बे में एक बड़ा बाजार था और एक नगरपालिका भी थी।

(iii) 'आग व सुई-धागे का आविष्कार कराने वाली योग्यता संस्कृति है।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य है -

(A) संस्कृति योग्यता भी है और आग व सुई-धागे का आविष्कार भी कराती है।

(B) योग्यता ही आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है और यह संस्कृति है।

(C) जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है वह संस्कृति है।

(D) आग व सुई-धागे का आविष्कार करने वाली योग्यता ही संस्कृति है।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है।
2. वे प्रतिकार में शोर-शराबा नहीं करते बल्कि प्रतिपक्ष की रक्षा करते हैं।
3. हम समाज और इतिहास में भी ऐसे अनेक प्रसंगों को देख सकते हैं।

4. उन्होंने इलाहाबाद और लखनऊ से प्रकाशित 'अमृत प्रभात' में भी नौकरी की।

(A) केवल 2 सही **(B)** केवल 3 सही

(C) 2 और 3 सही **(D)** 1 और 4 सही

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ -2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

स्तंभ-1	स्तंभ-2
1. उनका सौंदर्यबोध सूक्ष्म है और भाषा पारदर्शी।	**I.** सरल वाक्य
2. वे भोपाल के भारतभवन में काम करने लगे।	**II.** मिश्र वाक्य
3. जहाँ विजय है वहीं नायक की सफलता है।	**III.** संयुक्त वाक्य

विकल्प :

(A)	1-II	2-I	3-III
(B)	1-II	2 III	3-I
(C)	1-III	2-I	3-II
(D)	1-III	2-II	3-I

2. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **1×4=4**

(i) 'दुलारी अपने कठोर स्वभाव के लिए जानी जाती है।'- में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक

(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ii) 'उन्होंने कम से कम अपनी बेटी को तो अच्छी शिक्षा दी।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, बेटी विशेष्य

(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, बेटी विशेषण

(C) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(iii) 'अगस्त में हमारे विद्यालय का नया सत्र प्रारंभ हो गया।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता

(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता

(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता

(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता

(iv) 'खाली समय का उपयोग मैं पुस्तकें पढ़ने में करती हूँ।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कराक

(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारण

(v) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है ?

(A) दुनिया सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है।

(B) वे उसके ठीक सामने जाकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो गए।

(C) वह सिर झुकाकर धोती के सिरे से आँखें पोंछने लगा।

(D) हालदार साहब तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ लपके।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2×3=6**

(क) 'एक कहानी यह भी' पाठ में कॉलेज के दिनों में लेखिका हड़ताल तथा आंदोलन में भी भाग लेती रहती थीं। क्या लड़कियों को ऐसी गतिविधियों में भाग लेना उचित था ? पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ख) किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए किन-किन गुणों की आवश्यकता होती है ? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) बालगोबिन भगत अपने खेत की सारी फ़सल साहब को भेंट चढ़ा देते और प्रसाद में जो कुछ मिलता उसी से गुजारा करते थे। उनके ऐसा करने के पीछे क्या कारण रहे होंगे ?

(घ) क्या आप "लखनवी अंदाज़" के लेखक के इस बात से सहमत हैं कि बिना विचार, घटना और पात्रों के सिर्फ़ इच्छा मात्र से कहानी की रचना संभव है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **2×3=6**

(क) संगतकार मुख्य गायक का साथ कब और क्यों देता है?

(ख) फागुन की किन विशेषताओं का वर्णन कवि ने 'अट नहीं रहीं हैं' - कविता में किया है। अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) कवि बादलों से गरजने का अनुरोध क्यों करता है ? 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) 'लक्ष्मण द्वारा परशुराम को चुनौती देने के क्या कारण थे ?' अपने शब्दों में पाठ के आधार पर लिखिए।

14. **(क)** आप रोहन/रोहिणी हैं। अपने दादाजी को उनकी 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। **4**

अथवा

(ख) 'वन-संरक्षण' के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

❑❑❑

उत्तरमाला

Delhi Set-1 **3/1/1**

खण्ड-'अ'

(अपठित गद्यांश)

1. (i) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—किसी भी देश के विकास में वहाँ की मातृभाषा का राष्ट्रभाषा होना बहुत ज़रूरी है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—अपनी मातृभाषा में शिक्षा देने वाले देश हर क्षेत्र में आगे रहते हैं।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—हमारे देश में मातृभाषा को महत्त्व नहीं दिया गया था जिस कारण हम पश्चिम के देशों से तकनीक के क्षेत्र में पीछे रह गए।

(iv) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—गद्यांश के आधार पर मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करना आसान होता है।

(v) विकल्प (C) सही है।

(अपठित पद्यांश)

2. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—पद्यांश के आधार पर 'अपने-आप से लड़ने' का आशय अपने अंतर्द्वंद्व से लड़ना होगा।

(ii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—स्वाभिमान के बिना जीने से बेहतर मर जाना है।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—प्रस्तुत काव्यांश हमें यह सन्देश देता है कि परिस्थिति चाहे जैसी भी हो हमें हार नहीं माननी चाहिए।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—काँटे जीवन के दुख, कष्ट आदि के प्रतीक हैं तथा कलियाँ सुख,समृद्धि की।

(v) विकल्प (C) सही है।

(वाक्य-भेद)

3. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में समानाधिकरण संयोजक और, तथा,या,अथवा आदि का प्रयोग होता है।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—सरल वाक्यों में संयोजकों का प्रयोग नहीं होता है।

(iii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—मिश्र वाक्यों में व्यधिकरण संयोजकों कि,क्योंकि, जो,जिसे आदि का प्रयोग किया जाता है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—किसी संयोजक का प्रयोग न होने के कारण सरल वाक्य है।

(v) विकल्प (B) सही है।

(वाच्य)

4. (i) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—कर्ता के बाद 'ने' आने के कारण कर्तृवाच्य है।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—कर्ता के बाद 'द्वारा' आने के कारण कर्मवाच्य है।

(iii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—कर्तृवाच्य के वाक्य को कर्मवाच्य में बदलने के लिए कर्ता के बाद 'द्वारा' का प्रयोग करते हैं।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—भाववाच्य में केवल अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है।

(v) विकल्प (C) सही है।

(पद-परिचय)

5. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—किसी का भी नाम एकवचन में होने पर व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाता है।

(ii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—सार्वनामिक विशेषण में सर्वनाम के बाद संज्ञा शब्द आते हैं। जैसे- 'उस' सर्वनाम है; तथा 'घटना' संज्ञा।

(iii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—क्रिया में 'कहाँ' लगाकर प्रश्न करने पर स्थानवाचक क्रियाविशेषण प्राप्त होता है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—क्रिया में 'कब' लगाकर प्रश्न करने पर कालवाचक क्रियाविशेषण प्राप्त होता है।

(v) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—'मैं' उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम होता है।

(अलंकार)

6. **(i) विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—काव्य में जहाँ किसी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहा जाए, वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—प्रस्तुत काव्य पंक्तियों में रजनी अर्थात् रात का मानवीकरण किया गया है।

(iii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—'ज्यों' शब्द आ जाने के कारण उत्प्रेक्षा अलंकार है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—'श्लेष' शब्द का शाब्दिक अर्थ ही चिपकना/चिपका हुआ होता है। अर्थात् जहाँ काव्य में एक शब्द के विभिन्न सन्दर्भों में विभिन्न अर्थ निकले, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

(v) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—घोड़े का शत्रु के मस्तक पर दौड़ना दिखाया जाने के कारण अतिशयोक्ति अलंकार है।

(पठित पद्यांश)

7. **(i) विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—राम के विनम्रता की बात की गयी है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—परशुराम ने राम को बताया कि शिव धनुष तोड़ने वाला मेरा दुश्मन है।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—अत्यधिक क्रोध के कारण परशुराम ऐसी बातें कर रहे हैं।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—सेवा का कार्य करने वाला सेवक कहलाता है।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—चूँकि धनुष परशुराम के आराध्य देव शिव का था इसीलिए उनको उससे इतनी ममता थी।

(पद्य पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)

8. **(i) विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—यह संगतकार की महानता है कि वह अपनी आवाज़ को कभी अपने उस्ताद से ऊँची नहीं होने देता।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—बच्चा अपने पिता को पहचानने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए वह उन्हें एकटक देख रहा है।

(पठित गद्यांश)

9. **(i) विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—मन्नू भंडारी को घर से बाहर न जाने देने के लिए माँ से कहा गया।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—मन्नू भंडारी के पिता के मित्र ने मन्नू की शिकायत की इसीलिए उनके पिता जी नाराज़ हो गए।

(iii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—'एक कहानी यह भी' का यह अंश स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा होने के कारण ओजपूर्ण भाषा में लिखा गया है।

(iv) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—क्रांतिकारियों के सहयोग के लिए हड़ताल किया गया।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—सभी छात्र एक जगह इसलिए इकठ्ठा हुए ताकि वे हड़ताल करने वालों का सहयोग कर सकें।

(गद्य पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)

10. **(i) विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—काशी से अनन्य प्रेम के कारण बिस्मिल्ला खाँ उसे छोड़कर कहीं और नहीं जाना चाहते थे।

(ii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—लेखक को उस समय यह लगा कि नवाब साहब नयी कहानी के लेखक हैं जब नवाब साहब बिना खीरा खाए ही डकारकर यह दिखाने का नाटक करने लगे कि उनका पेट भर गया है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **(क)** पानवाले ने कैप्टन को पागल इसलिए कहा क्योंकि कैप्टन के मन में देश प्रेम की भावना थी। कैप्टन शारीरिक रूप से अपंग था, लेकिन वह किसी फ़ौजी से कम नहीं था। कैप्टन के इसी देश प्रेम की भावना को देखकर पानवाला उसे पागल कहता है।

(ख) संस्कृति का कूड़ा-करकट उन सड़ी गली परंपराओं और कुरीतियों को कहा गया है जो समाज के विकास में बाधक सिद्ध होने के साथ ही मानवता हेतु अकल्याणकारी सिद्ध होती है तथा कुछ लोगों को दबाने का प्रयास करती हैं।

(ग) बिस्मिल्लाह खाँ का जीवन वर्तमान और भावी पीढ़ी को निम्नलिखित संदेश देता है-

(i) श्रेष्ठता की ऊँचाई को छू लेने के बाद भी अपनी कला को विराम चिह्न लगाना उचित नहीं है।

(ii) अपनी कला में निरंतर निखार लाने के लिए अभ्यास करते रहना चाहिए और नया सीखने के लिए लालायित रहना चाहिए।

(iii) धार्मिक सौहार्दता दूसरों के हृदय को छू लेने की प्रक्रिया है। अत: धार्मिक भेदभाव से बचे रहना चाहिए।

(iv) सफलता में कभी इतराना नहीं चाहिए, घमंड नहीं करना चाहिए। यथावत जीवन जीते हुए कृत्रिमता से दूर रहना चाहिए।

(घ) अपने पतोहू के प्रति बालगोबिन भगत का व्यवहार उनके स्त्री को सम्मान, पहचान और आत्म-विश्वास प्रदान करने वाला दिखाई पड़ता है। साथ ही उन्हें यह विश्वास था कि उनके ऐसा व्यवहार करने से स्त्री अपने परम्परागत रुढ़िवादी व शोषणपूर्ण जीवन से मुक्त हो सकती हैं।

12. (क) 'आत्मकथ्य' कविता में 'अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास' पंक्ति से आशय है कि इस अनंत विस्तृत आकाश में कितने ही महापुरुषों ने अपने जीवन-वृत्त लिखें हैं।

(ख) 'उत्साह' कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिये रखा गया क्योंकि इस कविता के माध्यम से कवि ने बादलों का आह्वान करके बादलों को क्रांति व चेतना का प्रतीक बनाया है। इस कविता के माध्यम से कवि ने लोगों के मन में उत्साह भरने का प्रयत्न किया है, इसलिये यह शीर्षक पूर्ण रूप यह सार्थक है।

(ग) जब गोपियों ने देखा कि जिस कृष्ण की वे बहुत समय से प्रतीक्षा कर रही थीं, वे नहीं आए। उसकी जगह कृष्ण से दूर ले जाने वाला योग-संदेश आ गया तो उन्हें इसमें कृष्ण की एक चाल नज़र आई। वे इसे अपने साथ छल समझने लगीं। इसीलिए उन्होंने आरोप लगाया कि हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

(घ) फागुन मास में प्रकृति की शोभा का चरमोत्कर्ष देखा जा सकता है। यह मास वसंत ऋतु का स्वागत-माह होता है। प्रकृति अपने पूरे यौवन पर होती है। यह समय शीत व ग्रीष्म ऋतु का संधिकाल होता है। फूलों से लदी वृक्षों की डालियाँ कोयल का कुहकना, शीतल मंद सुगंधित पवन का प्रवाहित होना, पक्षियों का कलरव, पतझड़ में ढूँठ हुए पेड़ों पर फिर से नव पल्लवों का आगमन और चारों ओर फैली फूलों की खुशबू मन को आनंद से भर देती है।

13. (क) जितेन नार्गे कवी-लोंग स्टॉक एक स्थान के बारे में परिचय दे रहा था। उसी रास्ते पर एक कुटिया में घूमता एक चक्र देखा जिसके बारे में बताया-यह धर्म चक्र है। प्रेयर व्हील। इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। जितेन की यह बातें सुन लेखिका को लगा-चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक जैसी है। लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की आवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी हैं।

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में लेखक ने ग्रामीण परिवार का चित्रण करते हुए वहाँ की जीवन-शैली का उल्लेख किया है। जहाँ लोगों के मध्य आत्मीयता की भावना है, लोग प्रकृति के करीब हैं। इसके विपरीत शहरों में लोग एकल जीवन यापन करने की प्रवृत्ति की ओर उन्मुख हो रहे हैं, उनमें आत्मीयता की कमी है। अत: वर्तमान में जो अंतर आए हैं वो सकारात्मक कम नकारात्मक अधिक हैं।

(ग) कुछ रचनाकारों की रचनाओं में स्वयं की अनुभूति से उत्पन्न विचार होते हैं और कुछ अनुभवों से प्राप्त विचारों को लिखा जाता है। इसके साथ ऐसे कारण (बाह्य दबाव) भी उपस्थित हो जाते हैं जिससे लेखक लिखने के लिए प्रेरित हो उठता है। ये बाह्य-दबाव हैं-

(i) सामाजिक परिस्थितियाँ

(ii) आर्थिक लाभ की आकांक्षा

(iii) प्रकाशकों और संपादकों का पुन: पुन: का आग्रह

(iv) विशिष्ट के पक्ष में विचारों को प्रस्तुत करने का दबाव

14. (क) आज हम सभी डिजिटल दुनिया की तरफ तेज़ी से बढ़ते जा रहे हैं। तकनीकी नवीनीकरण के कारण आज हर क्षेत्र में मनुष्य ने अद्वितीय प्रगति कर ली है। आज हर कार्य ऑनलाइन हो गया है, चाहे कोई सामान खरीदना हो या किसी को पैसा भेजना हो। लोग आज पैसों से ज्यादा अपने डाटा के निजीकरण पर अधिक ध्यान देते हैं। आज साइबर युग ने, एक ऐसी परिस्थिति का निर्माण कर दिया है, जहाँ कुछ भी छिपाया नहीं जा सकता। ऐसी स्थिति में साइबर ठगी की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। आज साइबर अपराध आम बात हो गयी है। इसके अंतर्गत, एक आम नागरिक से लेकर बड़ी-से-बड़ी कंपनियों और देश की सरकारों की महत्वपूर्ण कार्यालयी जानकारियों को किसी के भी साथ साझा कर लिया

जाता है जो सबसे बड़ा खतरा है। इस डिजिटल युग में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सुरक्षा बनाए रखनी है, तो उसे हर समय सजग रहना होगा। साइबर ठगी को रोकने के लिए जागरूकता का प्रसार करना आवश्यक है। साइबर ठगी से बचने के लिए विभिन्न सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना आवश्यक है, जैसे-मज़बूत पासवर्ड का प्रयोग किया जाना चाहिए, एंटीवायरस का उपयोग करना चाहिए, अपने बैंक के खाते की जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर, अपनी सभी निजी जानकारी को किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि स्वयं भी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें, तभी इस समस्या से बचा जा सकता है।

(ख) सौर ऊर्जा वह ऊर्जा है जो सीधे सूर्य द्वारा प्राप्त की जा सकती है जो पूर्णत: स्वच्छ और सस्ती होती है।आज का युग विज्ञान का युग है अत: सूर्य की ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया को ही मुख्य रूप से सौर ऊर्जा कहा जाता है। इसे अक्षय ऊर्जा स्रोत के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। सरकार 2022 तक सौर ऊर्जा क्षेत्र में 1,00,000 मेगावाट उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध है। देश के कई हिस्सों में खेतों, छतों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ऐसी अनेक इमारतें चिह्नित की गई हैं जिन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा सकें। सौर ऊर्जा से मनुष्य और प्रकृति दोनों को लाभ हुआ है। सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह ऊर्जा का स्वच्छ रूप है, इससे प्रदूषण का खतरा नहीं है। सोलर संयंत्र एक बार लगा देने पर उसे किसी तरह के ईंधन की ज़रूरत नहीं होती है। गाँव में जहाँ बिजली पहुँचाना मुश्किल हो रहा है वहाँ सोलर सेल ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लोगों में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए तभी हमारा वातावरण सुरक्षित रह सकेगा। हमारे जीवन में सूर्य का अनेक दृष्टियों से महत्त्व है, दरअसल धरती पर मानव के जन्म से ही सूर्य की ऊर्जा लाभकारी रही है। हालाँकि, पर्यावरण की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है किन्तु दुनिया ने ऊर्जा के संभावित वैकल्पिक स्रोतों पर नए सिरे से काम चालू कर दिया है जो जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है।

(ग) पृथ्वी पर महिलाओं के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी को सम्मान देने तथा उनके समर्पण के लिए उनका आभार जताने के लिए प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (International Women's Day) मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का खास मकसद समाज में महिलाओं को बराबरी का हक दिलाना एवं महिला सशक्तीकरण पर जोर देना है। साथ ही किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के मकसद से भी इस दिवस को मनाया जाता है। आज के परिप्रेक्ष्य में अगर हम विचार करें, तो हम पाते हैं कि आज महिलाएँ पुरुषों से बहुत आगे निकल गई हैं। महिलाओं को जब-जब अवसर दिया गया, तब-तब उन्होंने पूरे विश्व को बता दिया कि वह पुरुष के बराबर ही नहीं, बल्कि कई मौकों पर वे उनसे कई गुना बेहतर साबित हुई हैं। आज विश्व पटल पर महिलाएँ नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। अब वह समय नहीं रहा जब महिलाएँ घर की चार-दिवारी में बंद की जाती थी। अब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। भले वर्तमान समय में भारत सरकार महिलाओं की स्थिति को सुधारने का प्रयास कर रही है, साल 2001 में भारत सरकार ने महिला सशक्तिकरण हेतु अपनी राष्ट्रीय नीति का गठन किया। महिला सशक्तिकरण नीति को मंजूरी केंद्र सरकार ने 21 मार्च 2001 को दी थी। महिला सशक्तिकरण नीति के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को देश में राजनितिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में पुरुषों के समान अधिकार प्रदान करना। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के प्रति होने वाले हर तरह के शोषण और भेदभाव को समाप्त करना।

15. (क) परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 22 फरवरी, 20XX

प्रिय मित्र,

नमस्ते। मुझे खेद है कि मैंने तुम्हारी अस्वस्थ जीवनशैली को नजर अंदाज किया। तुम्हारा स्वास्थ्य मेरे लिए प्राथमिक है, और मुझे खुद को भी सुधारना होगा। संयमित और स्वस्थ जीवनशैली का अपनाना महत्वपूर्ण है। यह तुम्हें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करेगा, और तुम्हारे जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। सही आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वस्थता की देखभाल से तुम अपनी ऊर्जा बढ़ाओगे और खुशहाल जीवन जी सकोगे।

इस परिवर्तन की शुरुआत करने के लिए मैं तुम्हारे साथ हूँ और हम साथ में इस मार्ग पर चल सकते हैं। हमें आपसी समर्थन और सहायता के साथ मिलकर एक

स्वस्थ और संतुलित जीवन की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। इसके लिए हम एक दूसरे को प्रेरित कर सकते हैं और साथ में इस सफल यात्रा का आनंद उठा सकते हैं।

तुम्हारे अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामना करता हूँ। साथ ही हम दोनों मिलकर अच्छे और स्वस्थ जीवन शैली की दिशा में कदम बढ़ाकर अन्य लोंगों को इसके लिए प्रेरित करेगें।

ध्यान रखना, स्वस्थ रहना हमारी प्राथमिकता है।

धन्यवाद

आपका शुभेच्छु

चंदा/चंदन

अथवा

(ख) एफ 12, सरस्वतीपुरम

नंदानगर, गोरखपुर

21 फरवरी, 20XX

संपादक,

दैनिक जागरण

सीविल लाइंस

गोरखपुर

विषय– शहर में होने वाले अपराधों के रोकथाम के संबंध में।

महोदय,

आपके लब्ध-प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से मैं यह बताना चाहता हूँ कि शहर के नंदानगर और मोहद्दीपुर क्षेत्र में बीते दिनों कई आपराधिक मामले सामने आए। उन मामलों से परेशान आकर हम सभी लोगों ने सामूहिक निर्णय लिया और आपको पत्र लिखकर अपने थाना प्रभारी से अनुरोध करने का निवेदन किया कि वे कृपया इन मामलों पर संज्ञान लें। पुलिसकर्मियों की टीम द्वारा उठाये गए कदम से अपराध काफी कम हो गए हैं।

अब इस पत्र के माध्यम से मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप हमारे समाज को भी जागरूक करें और उन्हें बताएँ कि समाज को अपराध मुक्त बनाने की पूरी जिम्मेदारी केवल पुलिसकर्मियों की ही नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति की है।

आशा करता हूँ कि आप इस समस्या के समाधान के लिए अपने दैनिक समाचार पत्र में आप इसे स्थान अवश्य देंगे।

सधन्यवाद

भवदीय

अ.ब.स.

16. (क) सेवा में,

प्रधानाचार्य

अ.ब.स. विद्यालय

कुरुक्षेत्र।

विषय : 'प्रखर' पत्रिका में संपादक पद के लिए आवेदन।

महोदय,

विद्यालय के सूचना पट पर लगी सूचना से जानकारी मिली कि अपने विद्यालय में प्रकाशित पत्रिका 'प्रखर' में संपादक की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मेरा स्ववृत्त इस आवेदन-पत्र के साथ संलग्न है। इसका अवलोकन करने पर आपको विश्वास होगा कि मैं इस पद के लिए पूर्णतः उपयुक्त उम्मीदवार हूँ। मैं आपके विज्ञापन में वर्णित सभी योग्यताओं को पूरा करता हूँ। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

नाम : राजन

पिता का नाम : रमेश चंद

जन्मतिथि : 13-03-1994.

वर्तमान पता : 72, विकास नगर, करनाल

स्थायी पता : 100, कर्ण पुरी, दिल्ली,

मोबाइल नंबर : 96184XXXXX

ई-मेल : 1980narendra@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ

परीक्षा	बोर्ड	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
दसवीं	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, संस्कृत	प्रथम	70%
बारहवीं	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, संस्कृत, गणित	प्रथम	71%
स्नातक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, गणित	प्रथम	72%
पत्रकारिता	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	पत्रकारिता	प्रथम	70%

इस योग्यता के साथ-साथ मैं कई वर्षों से स्वतंत्र लेखन से भी जुड़ा हुआ हूँ। मुझे पत्रकारिता में बेहद रुचि है। मैं आपको पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपना कार्य सत्यनिष्ठ एवं पूर्ण कर्तव्यपरायणता से करूँगा।

आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मेरे आवेदन-पत्र पर सकारात्मक विचार करते हुए मुझे संपादक पद पर नियुक्त करें।

सधन्यवाद।

भवदीय,
(हस्ताक्षर)
राजन

अथवा

(ख) प्रेषक raj@gmail-com

प्रेषिती sbi@gmail-com

विषय- खाते में नेट बैंकिग सुविधा आंरभ के संदर्भ में।

महोदय,

आपके बैंक में मेरा बचत खाता है जिसका नंबर 123224567327 है। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा प्रदान करें ताकि मैं आज के परिवेश के आधार पर ऑनलाइन खरीदारी करने की सुविधा का लाभ उठा पाउँ।

मैंने पिछले महीने में भी आपको ई- मेल लिखा किन्तु उस पर आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई।

आशा और साथ ही यह विश्वास करता हूँ कि आप मेरी समस्या का उचित एवं त्वरित समाधान करायेंगे।

धन्यवाद

भवदीय
राजन/रजनी

17. (क)

अथवा

(ख)

बधाई संदेश	
दिनांक: 21 फरवरी, 20XX	समय: प्रात: 8 बजे

आदरणीय सर

आज मैं बहुत खुश हूँ। आपको नौकरी में पदोन्नति मिलने का समाचार सुनकर मेरा दिल प्रसन्न हुआ। सर आपने इसके लिए बहुत मेहनत की थी और आपकी मेहनत का परिणाम आज आपके सामने है। मुझे यह पूरा विश्वास था कि आप जल्द ही उप प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति करेंगे। इसके लिए आपको ह्रदय से बधाई।

आपका शिष्य
अ.ब.स.

Delhi Set-2 — 3/1/2

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय वस्तुपरक प्रश्न)

(वाक्य भेद)

3. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—सरल वाक्य में एक ही विधेय होता है और एक ही क्रिया होती है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में दो या दो से अधिक उपवाक्य होते हैं।

(iii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—मिश्र वाक्यों में जब-तब, यदि-तो, जैसा-वैसा शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

(iv) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या— सरल वाक्य को साधारण वाक्य भी कहते हैं जो एक पूर्ण विचार को व्यक्त करता है।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—सरल वाक्य को साधारण वाक्य भी कहते हैं जो एक पूर्ण विचार को व्यक्त करता है।

(पद-परिचय)

4. (i) **विकल्प (B) सही है।**

व्याख्या—'संपादक महोदय' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इस वाक्य में एकवचन तथा पुल्लिंग कर्मकारक विद्यमान है।

(ii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—अपनी शब्द निजता का प्रतीक है। इस वाक्य में पुरुषवाचक सर्वनाम है।

(iii) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—जब किसी वाक्य में क्रिया के होने के स्थान का बोध होता है तब उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

(iv) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—'मैं' शब्द उत्तम पुरुष सर्वनाम है तथा एकवचन के रूप में वाक्य के प्रारम्भ में प्रयुक्त हुआ है।

(v) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—'निर्लिप्त भाव' में रीतिवाचक क्रिया विशेषण विद्यमान है। इसमें क्रिया की रीति का बोध होता है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **(क)** वैसे तो पानवाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परन्तु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास हो गया क्योंकि कैप्टन की मृत्यु के उपरान्त पानवाले का दैनिक जीवन नीरस हो गया था, जब वह जीवित था तो वह कैप्टन का उपहास बनाता था।

(ख) लेखक के अनुसार जब मनुष्य की बुद्धि किसी नवीन वस्तु की खोज करती है तब उससे, एक संस्कृति का जन्म होता है अर्थात् नवीन वस्तु की खोज ही संस्कृति है। नवीन आविष्कारों का उपभोग करना ही सभ्यता के अन्तर्गत आता है।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ का मतलब—बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शुहनाई का तात्पर्य बिस्मिल्ला खाँ का हाथ। ऐसा इसलिए माना जाता है क्योंकि बिस्मिल्ला खाँ एक उत्कृष्ट कलाकार तथा शहनाई वादक थे। उन्होंने संगीत साधना में ही अपना जीवन अर्पित कर दिया था। शहनाई की जादुई आवाज़ सभी को अपनी ओर आकर्षित करती थी।

(घ) गंगा-स्नान के लिए आने-जाने के दौरान चार-पाँच दिनों तक बालगोबिन भगत उपवास रखते थे ताकि संतों का आशीर्वाद उन पर सदैव बना रहे। गंगा स्नान के दौरान वह संतों के दर्शन के लिए जाते थे।

12. **(क)** 'आत्मकथ्य' कविता में कवि स्वयं को थका हुआ पथिक इसलिए कहता है क्योंकि उसने सुख का जो स्वप्न देखा था। वह उसे जीवन में कभी प्राप्त नहीं हुआ इसलिए वह स्वयं को थका हुआ महसूस करता है।

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि ने धाराधर बादल के लिए प्रयुक्त किया है क्योंकि कवि समाज में क्रांति व उत्साह की भावना का संचार करके जीवन में परिवर्तन लाना चाहता है इसलिए बादल से आग्रह कर रहा है।

(ग) गोपियों ने उद्धव द्वारा बताए गए योग को व्याधि इसलिए कहा है क्योंकि योग साधना गोपियों को कड़वी ककड़ी की भाँति प्रतीत होता है जिसे कोई भी खाना नहीं चाहता जबकि गोपियों के मन में केवल श्री कृष्ण ही बसे हुए हैं।

(घ) 'कहीं पड़ी है उर में, मंद-गंध-पुष्प-माल' का आशय यह है कि कहीं-कहीं पर पेड़ों के गले में मंद-मंद खुशबू देने वाले पुष्पों की माला प्रतीत होती है क्योंकि पेड़ों पर नए पत्ते निकल आए हैं जिससे चारों तरफ़ सुन्दरता बिखरी पड़ी है।

14. **(क)** सन्देश लेखन

दिनाक: 21/3/20XX
समय : 7:00 a.m.

प्रिय छोटी बहन,
आशा है तुम सकुशल होंगी। बड़े प्रयासों और प्रतीक्षा के बाद तुम्हारा स्थानान्तरण अपने गृह-नगर में हो गया है। इसके लिए तुम्हें बहुत-बहुत बधाई । भगवान तुम्हें सदैव खुश रखे। हम सभी प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसलिए जल्द से जल्द आने का प्रयास करो।
तुम्हारी बहन
कुमुदिनी।

अथवा

(ख) विज्ञापन लेखन

जल संरक्षण

जल ही जीवन है — जल है तो कल है

जल बचेगा तभी दुनिया बचेगी।

* पानी को बर्बाद न करें।
* आवश्यकतानुसार पानी का उपभोग करें।
* नदियों व झीलों के पानी को दूषित न करें।
* वर्षा के जल को संग्रहित करें।

जल संरक्षण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

(वाक्य भेद)

1. (i) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य योजक शब्द से जुड़े होते हैं। यहाँ दिए वाक्य में संयुक्त वाक्य है - 'वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।' इस वाक्य में कुल दो वाक्य हैं जो 'लेकिन' शब्द से जुड़े हैं।

(ii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है। इस वाक्य में भी एक उद्‌देश्य है 'एक रीड' और बाकी वाक्य विधेय के अंतर्गत आया है।

(iii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है और बाकी आश्रित उपवाक्य होते हैं। यहाँ दो वाक्य हैं जिनमें पहला प्रधान उपवाक्य है - 'जब उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे' इसका आश्रित उपवाक्य है 'तब उन्हें गोदकर झाग निकाला।'

(iv) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य योजक शब्द से जुड़े होते हैं। यहाँ दिए वाक्य में संयुक्त वाक्य है - 'वे कबीर को मानते थे और उन्हीं के आदेशों पर चलते थे।' इस वाक्य में कुल दो वाक्य हैं जो 'और' शब्द से जुड़े हैं।

(v) **विकल्प (B) सही है।**

व्याख्या—यहाँ संयुक्त वाक्य का उदाहरण है - 1. अब उनका बुढ़ापा आ गया था किंतु टेक वही जवानी वाली थी। इसमें 'किंतु' योजक शब्द है जो दोनों वाक्यों को जोड़ रहा है।

2. (i) **विकल्प (B) सही है।**

व्याख्या—'दुकान' शब्द जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है। इस शब्द से केवल एक दुकान का ही बोध हो रहा है। इसलिए यह एकवचन है। दुकान शब्द स्त्रीलिंग शब्द है और वाक्य का कर्ता कारक शब्द है।

(ii) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'उस' शब्द का प्रयोग 'गाँव' विशेष्य के लिए किया गया है इसलिए यह सार्वनामिक विशेषण है। 'उस' शब्द से एकवचन और पुल्लिग शब्द का बोध हो रहा है।

(iii) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—रीतिवाचक क्रिया-विशेषण में अविकारी शब्द किसी क्रिया की रीति का बोध कराते हैं। यहाँ 'उमड़-घुमड़कर' शब्द से बारिश की रीति का बोध हो रहा है। इसलिए यह रीतिवाचक क्रिया-विशेषण का उदाहरण है।

(iv) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—यहाँ 'मैं' शब्द उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम है। उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम में वक्ता अपने लिए प्रयुक्त होने वाले शब्दों का उपयोग करता है। 'रही थी' क्रिया के उपयोग के कारण 'मैं' स्त्रीलिंग शब्द है। साथ ही यह एकवचन और कर्ता कारक शब्द है।

(v) **विकल्प (B) सही है।**

व्याख्या—रीतिवाचक क्रिया-विशेषण में अविकारी शब्द किसी क्रिया की रीति का बोध कराते हैं। यहाँ 'मुसकराकर' शब्द रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द है जिससे 'देखा' क्रिया की रीति का बोध हो रहा है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. (क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के अनुसार पार्कों आदि पर उपेक्षित मूर्तियों के रख-रखाव का उत्तरदायित्व नगरपालिका जैसी संस्थाएँ करती होंगी। इस संदर्भ में लेखक पाठ में कहता भी है कि नगरपालिका नगर में कभी कोई सड़क पक्की करवाना, कभी कुछ पेशाबघर बनवाना, कभी कबूतरों की छतरी बनवा देना तो कभी कवि सम्मेलन करवा देना जैसे कार्य करता होगा। बाद में मूर्तियों का रख-रखाव कस्बे के नागरिक करते होंगे।

(ख) सुसंस्कृत व्यक्ति उसे कहा जा सकता है जो किसी नयी चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है लेकिन उसकी संतान सुसंस्कृत नहीं कहला सकती। जैसे न्यूटन सुसंस्कृत कहे जा सकते हैं। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया था।

(ग) बिस्मिला खाँ जब चार साल के थे तब छुपकर नाना को शहनाई बजाते हुए सुनते थे। रियाज़ के बाद वे छोटी-बड़ी शहनाइयों के बीच नाना वाली शहनाई को ढूँढ़ते थे। इसी तरह मामू अलीबक्श शहनाई बजाते हुए

सम पर आएँ, तब धड़ से एक पत्थर ज़मीन पर मारता था। सम पर आने की तमीज़ उन्हें बचपन में ही आ गई थी। पर उन्हें इस बात का पता नहीं था कि दाद वाह करके दी जाती है या सिर हिलाकर, पत्थर पटककर नहीं।

(घ) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। उन्हीं के गीतों को गाते थे। उन्हीं के आदेशों को मानते थे। खेत में रोपनी करते समय जब वे गाते तो आसपास का वातावरण संगीतमय हो जाता। बच्चे झूम उठते, मेंड पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते, वे गुनगुनाने लगतीं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं। रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगतीं। इस तरह उनके स्वर में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था।

12. (क) 'आत्मकथ्य' कविता जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित कविता है। जिसमें वे अपने जीवन की कथा का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि उनका जीवन उस हरे-भरे पेड़ की भाँति था जो सदैव फला-फूला रहता था। उसमें पतझड़ आने पर पत्तियाँ मुरझाकर गिरने लगी हैं।

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि बादलों की तुलना काले - घुंघराले बालों से इसलिए करता है क्योंकि उसे बादल पूरे आसमान में फैले हुए दिखाई दे रहे हैं जैसे किसी बच्चे के सिर पर घुंघराले बाल होते हैं वैसे ही आसमान पर बादलों के छोटे-छोटे झुंड उसे बालक के बालों के समान लग रहे हैं।

(ग) सूरदास के 'पद' में उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के फूल से की गई है जो कीचड़ में रहने पर भी गंदा नहीं होता। उसी तरह उद्धव श्रीकृष्ण के निकट होते हुए भी उनके प्रेम से अनासक्त रहे। जिस प्रकार तेल की गगरी को जल में डुबोया जाए तो उसमें पानी की बूँद टिकती नहीं है उसी तरह उद्धव पर भी श्रीकृष्ण के प्रेम रूपी रंग का पानी नहीं चढ़ा।

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता में फागुन की मस्ती और शोभा का सुंदर वर्णन किया गया है। कवि प्रकृति की मनोरम छटा में अपने आपको खो सा देता है। उसका कहना है कि इस समय सुगंधित हवाएँ घर-बाहर को महका देती हैं। पक्षी आसमान में उड़कर अपनी प्रसन्नता को दिखाने लगते हैं। पेड़ों पर हरे-भरे पत्ते लद जाते हैं। सारे संसार की शोभा देखते ही बनती है।

17. (क)

संदेश

दिनांक – 20, जुलाई ....

समय : मध्याह्न 2:05 बजे

प्रिय सुरभि दो वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विधि स्नातक में तुम्हारा चयन हो गया है। इस अवसर पर हम सभी तुम्हें बहुत-बहुत बधाई देते हैं। भगवान् से यही प्रार्थना करते हैं कि सभी परीक्षाओं में तुम खूब मेहनत करो और इसी तरह सफलता प्राप्त करती रहो। हम सबका आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।

तुम्हारा भाई

रीतेश

अथवा

(ख)

अन्नदान-महादान

अन्नदान है महादान
याद रखो इसे सदा।

नहीं व्यर्थ अनाज करो
ज़रूरत से अधिक न भरो।

अन्न का न हो निरादर
सबको मिले एक बराबर।

कृपया ध्यान रहे

★ अन्न को बरबाद न करें।

★ थाल में उतना ही लें जितनी आपकी भूख हो।

★ अन्न का एक-एक कतरा है अनमोल।

अन्न की बरबादी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 'अन्नदान-महादान' में सहयोग करें।

Outside Delhi Set-1 **3/2/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

(अपठित गद्यांश)

1. (i) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—टी. वी. का परम्परागत रूप वह है, जिसमें कुछ चैनल होते हैं एवं एक निश्चित समय पर उनके कार्यक्रम होते हैं और उन कार्यक्रमों को देखने के लिए आपको उस समय उसके सामने बैठना होता है।

(ii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—भविष्य की कल्पना करते समय हमारे आस-पास जो भी कुछ उपलब्ध होता है, उसी के आधार पर हम आगे की सुध लेते हैं।

(iii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—स्मार्टफ़ोन की तकनीक उपलब्ध कराने वाले टी. वी. को स्मार्ट टी.वी. कहा जाता है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—बुद्धू बक्सा पारम्परिक टी.वी. का संकेतार्थ है।

(v) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—तकनीक की एक विशेषता यह होती है कि जब वह सबके पास पहुँच जाती है तो अपना मूल्य खो देती है। व्यापार जगत पर नई तकनीक के लिए दबाव बनने लगते हैं और समाज भी उसके लिए तैयार हो जाता है।

(अपठित पद्यांश)

2. (i) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—आँधियाँ और प्रचंड समीर देश में समय-समय पर आए भीषण संकटों के प्रतीकार्थ हैं।

(ii) विकल्प (C) सही है।

(iii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—प्रस्तुत काव्य पंक्ति में 'हमीं' शब्द भारतवासियों के लिए प्रयुक्त हुआ है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—भारत सदा से ही एक शान्तिप्रिय देश रहा है लेकिन विदेशी आक्रमणों का भी भारत ने डटकर सामना किया है।

(वाक्य भेद)

3. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—यहाँ दो सरल वाक्य समानाधिकरण समुच्चय बोधक 'और' से जुड़े हुए हैं। अत: यह संयुक्त वाक्य है।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—सरल वाक्य में एक उद्देश्य तथा एक विधेय होता है।

(iii) विकल्प (A) सही है।

(iv) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा शेष आश्रित उपवाक्य हों, वहाँ मिश्र वाक्य होता है।

(v) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—1. क्योंकि वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।—मिश्र वाक्य

2. अनुभूतिजन्य होने के कारण वह मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।—सरल वाक्य

3. वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।—संयुक्त वाक्य

(वाच्य)

4. (i) विकल्प (A) सही है।

(ii) विकल्प (B) सही है।

(iii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में क्रिया का व्यापार कर्म के साथ हो, वहाँ कर्मवाच्य होता है।

(iv) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—उनके द्वारा युवावर्ग की समस्याओं को केन्द्र में रखा गया। रूद्र जी द्वारा अध्यापन और सम्पादन दोनों कार्य किया गया। उपर्युक्त दोनों वाक्य कर्मवाच्य के उदाहरण हैं।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—1. माताजी से खाली बैठा नहीं जाता-भाववाच्य का उदाहरण है।

2. वह खट्टे फल खाना पसन्द नहीं करता-कर्तृवाच्य का उदाहरण है।

3. उससे लम्बी कविता नहीं लिखी जाती-कर्मवाच्य का उदाहरण है।

(अलंकार)

5. (i) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—यहाँ ऊषा (प्रात:) का मानवीकरण कर दिया गया है। अत: उसे स्त्री रूप में वर्णित करने के कारण यहाँ मानवीकरण अलंकार है।

(ii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—श्लेष का अर्थ होता है चिपका हुआ। जब किसी शब्द का प्रयोग एक बार ही किया जाता है लेकिन उसके कई अर्थ निकलते हों वहाँ श्लेष अलंकार होता है। यहाँ 'बारे' तथा 'बढ़े' शब्द के दो अर्थ हैं। 'बारे' का अर्थ है- 'जलने पर' तथा 'बचपन' और 'बढ़े' का अर्थ है- 'बड़ा होने पर' तथा 'बुझने पर'।

(iii) विकल्प (B) सही है।

(iv) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—जब किसी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर कहा जाए वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है यहाँ राणा के विषय में बहुत बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन किया गया है। अत: यहाँ अतिशयोक्ति अलंकार है।

(v) विकल्प (B) सही है।

(पद परिचय)

6. (i) विकल्प (C) सही है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

(iii) विकल्प (A) सही है।

(iv) विकल्प (C) सही है।

(v) विकल्प (B) सही है।

(पठित गद्यांश)

7. (i) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—ऑरिजनल चश्में की बात पर वह मुस्कुराता हुआ बोला कि मास्टर बनाना भूल गया होगा। उसकी मुस्कुराहट व्यंगात्मक हँसी थी।

(ii) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—यहाँ मास्टर के सम्बन्ध में कैप्टन का विकल्प अनुपयुक्त है क्योंकि कैप्टन ने मूर्ति नहीं बनाई थी। वह तो एक चश्मे बेचने वाला व्यक्ति था।

(iii) **विकल्प (C) सही है।**

(iv) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—हालदार साहब को मूर्ति के चश्मे के बार-बार बदले जाने का कारण समझ में आ गया था।

(v) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—कैप्टन को नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति आहत करती है, मानो चश्में के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो।

(गद्य पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)

8. (i) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—माँ का असहाय, मजबूरी में लिपटा त्यागी और सहिष्णु रूप उनका आदर्श न बन सका। लेखिका को उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा-दबा सा लगता था।

(ii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—'संस्कृति' पाठ में सुसंस्कृत व्यक्ति में लोककल्याण की भावना के भाव की प्रधानता मानी गई है।

(पठित पद्यांश)

9. (i) **विकल्प (B) सही है।**

व्याख्या—उद्धव के योग ज्ञान को सुनकर गोपियों को अपना धैर्य टूटता हुआ-सा लग रहा है।

(ii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—सूरदास के पदों की भाषा ब्रज भाषा है। सूरदास के काव्य में श्रृंगार और वात्सल्य रस की प्रचुरता देखने को मिलती है।

(iii) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—कृष्ण के आने की आस में गोपियाँ अब तक व्यथा को सहन कर रही थीं।

(iv) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—सूरदास के पद के अनुसार गोपियों के कृष्ण से मिलन की आस उनके मन में ही रह गई।

(v) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—उद्धव के योग संदेश से गोपियों की विरहाग्नि और अधिक प्रदीप्त हो जाती है।

(पद्य पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)

10. (i) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—कविता में बच्चे का पिता कई महीनों के बाद घर लौटा था। बच्चे ने अपने पिता को पहली बार देखा था इसलिए वह अपने पिता को नहीं पहचान पाता।

(ii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे कवि अपने जीवन-पथ की थकान दूर करता है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **(क)** जब मन्नू भंडारी की बहन विवाह करके कोलकाता चली गईं और उसके दोनों बड़े भाई आगे की पढ़ाई करने बाहर चले गए तब मन्नू भंडारी को पहली बार नए सिरे से अपने वजूद का अहसास हुआ क्योंकि पिताजी का ध्यान पहली बार उन पर केन्द्रित हुआ था।

(ख) शहनाई मांगलिक अवसरों पर बजाए जाने वाला प्रमुख वाद्य है। शहनाई वादन की परम्परा में बिस्मिल्ला खाँ अपने सुर के कारण अब तक के इतिहास में सर्वोपरि रहे हैं। अवधी पारम्परिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है। मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला यह वाद्य इन जगहों पर मांगलिक विधि-विधानों के अवसर पर ही प्रयुक्त हुआ है। दक्षिण भारत के मंगल वाद्य 'नागस्वरम्' की तरह शहनाई प्रभाती की मंगल ध्वनि का सम्पूरक है।

(ग) लेखक को खाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। लेखक ने नवाब साहब को देखकर यह अनुमान लगाया कि नवाब साहब को उन्हें देखकर असुविधा व संकोच हो रहा होगा। नवाब की झिझक व नज़ाकत को देखकर लेखक अनुमान लगाने लगा कि नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के और किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया होगा और अब उन्हें गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेद पोश उन्हें मँझले दर्ज़े में सफ़र करते देखे।

(घ) 'बालगोबिन साहब' के भक्त थें पंक्ति में साहब का आशय कबीर दास जी से है। बालगोबिन भगत कबीर

दास जी को अपना साहब मानते थे। कबीर दास जी पर उनकी अगाध श्रद्धा थी। वे उन्हीं के अनुसार आचरण करते थे। वे भी झूठ नहीं बोलते थे और न ही किसी से झगड़ा करते थे।

12. (क) परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले की तुलना अपने शत्रु सहस्रबाहु से की है क्योंकि यह धनुष परशुराम के गुरु भगवान शिव का था और वे सहन न कर सके कि किसी योद्धा ने वह शिव धनुष तोड़ दिया है।

(ख) 'उत्साह' कविता कवि का आह्वान गीत है, जिसके स्तर में ओज है, क्रान्ति है। कवि ने जीवन में सकारात्मकता को अपनाने का संदेश दिया है। किसी कार्य की पूर्ति के लिए शरीर में ऊर्जा के संचार हेतु उत्साह होना आवश्यक है। कवि ने कविता में चिड़िया के माध्यम से हमें खुशी से जीने का संदेश दिया है। कवि ने कहा है कि हमें जो कुछ भी मिल जाए उसमें थोड़े से ही सन्तोष कर लेना चाहिए और विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं छोड़ना चाहिए और हम इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।

(ग) कभी-कभी ऊँचे स्वर में गाते समय जब मुख्य गायक का गला बैठने लगता है और उसकी प्रेरणा उसका साथ छोड़ने लगती है, तब ऐसे समय में संगतकार उसके स्वर में अपना स्वर मिलाता है जिससे मुख्य गायक को अकेलेपन का आभास न हो। ऐसा करते समय संगतकार की आवाज़ में एक हिचक और संकोच होता है कि कहीं उसकी आवाज़ मुख्य गायक की आवाज़ से ऊँची न हो जाए इसलिए वह सदैव सतर्क रहता है।

(घ) फाल्गुन माह की अनुपम प्राकृतिक शोभा सृष्टि के प्राणियों को प्रसन्न कर देती है। फाल्गुन माह के वासंतिक प्रभाव से मानव मन मन्त्र-मुग्ध हो जाता है क्योंकि फाल्गुन मास की शोभा इतनी अधिक है कि इस सुंदरता से आँखें नहीं हट पा रही हैं। कहीं शीतल मंद हवाएँ चल रही हैं, कहीं आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं, कहीं वृक्षों व पौधों पर नए पत्ते व फूल खिले हैं। ये सब वातावरण में मादकता भर देते हैं जिससे मानव मन प्रसन्नता से भर उठता है।

13. (क) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों के खेल सामूहिक रूप से मिल-जुलकर खेले जाते थे। उनके खोलने की सामग्री बच्चों द्वारा स्वयं निर्मित की जाती थी। घर की अनुपयोगी वस्तु ही उनके खेल की सामग्री बन जाती थी जबकि वर्तमान समय में प्लास्टिक के खिलौने और इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों का प्रचलन है। खेल सामग्री में आए अंतर ने बच्चों के नैतिक मूल्यों को भी प्रभावित किया है। वर्तमान समय में बच्चों द्वारा जो खेल खेले जाते हैं उन्होंने बच्चों को एकांकी बना दिया है। हमें पुराने समय में खेले जाने वाले खेल पसन्द हैं क्योंकि भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेले जाने वाले खेलों से बच्चों में सहयोग, सहभागिता और सामाजिकता के गुणों का विकास होता है।

(ख) देवी-देवताओं के निवास स्थान को 'खेदुम' कहते हैं। यह लगभग एक किलोमीटर का एरिया है। जहाँ देवी-देवताओं का निवास स्थान है। यहाँ पर गन्दगी फैलाना मना है क्योंकि गैंगटोकवासियों का ऐसा मानना है कि यहाँ जो भी गन्दगी फैलाएगा वह मर जाएगा। गैंगटोकवासी पहाड़, नदी, झरने, इन सभी की पूजा करते हैं। गैंगटोक वासियों के विश्वास को सही माना जा सकता है क्योंकि हमारे देश में हमेशा से ही देवी-देवताओं को सर्वोपरि माना जाता है और प्रकृति भी हमें बहुत कुछ देती है तो इसको साफ़ रखना भी हमारी ज़िम्मेदारी है और इसी विश्वास के कारण लोग पहाड़ों पर गन्दगी नहीं फैलाते हैं।

(ग) सभी लेखक कृतिकार नहीं होते और न ही उनका समस्त लेखक कृति होता है। यह सही है कि कुछ कृतिकार ख़्याति मिल जाने के बाद, कुछ बाहर की विवशता से भी लिखते जाते हैं। कभी सम्पादक के आग्रह से, प्रकाशक के तकाज़े से और आर्थिक आवश्यकताओं के चलते भी कुछ लिखते हैं पर कुछ कृतिकार हमेशा ईमानदारी से यह भेद बनाए रखते हैं कि कौन-सी कृति उनकी आन्तरिक प्रेरणा का फल है और कौन-सा लेखन बाहरी दबाव का, पर बाहर का दवाब वास्तव में दबाब नहीं लगता, वह मानो भीतरी उन्मेष का निमित्त बन जाता है।

14. (क) बढ़ती जनसंख्या-गहराता संकट

जिस रफ़्तार से भारत की जनसंख्या बढ़ रही है। आज एक चिंता का विषय बनती जा रही है। समय रहते अगर इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इसके भयंकर दुष्परिणाम होंगे। आज भारत की जनसंख्या 125 करोड़ से भी अधिक है। हमारी जनसंख्या वृद्धि दर 2.11 है। आबादी की दृष्टि से पूरे विश्व में भारत पहले स्थान पर आ चुका है। पहले चीन प्रथम स्थान पर और भारत द्वितीय स्थान पर था लेकिन अब उसका उल्टा हो गया है। जनसंख्या वृद्धि के अनेक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। इसी के प्रभाव से बेकारी की समस्याएँ बढ़ रही हैं। जैसे—अपराध, भ्रष्टाचार, गरीबी, जीवन स्तर में कमी और कुपोषण आदि की समस्याएँ भी उपस्थित हो गई

हैं। जनसंख्या की अधिकता के कारण लोग गाँवों से शहरों की तरफ़ पलायन कर रहे हैं। जिससे महानगरों में आवास की समस्या उत्पन्न हो गई है। यद्यपि भारत ने औद्योगिक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, परन्तु जनसंख्या की निरंतर वृद्धि के कारण यह प्रगति बहुत कम लगती है।

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए लोगों में जाग्रति लाना आवश्यक है। उन्हें परिवार नियोजन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए कन्याओं को शिक्षित किया जाना ज़रूरी है क्योंकि शिक्षित युवतियाँ इस दिशा में बहुत कुछ कर सकती हैं। परिवार को सीमित रखने के लिए विवाह कानून भी कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। समय-समय पर परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाने चाहिए।

(ख) हरित ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य

हरित ऊर्जा एक ऐसा स्रोत है जो मानव जीवन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखती है। ये पर्यावरण को स्वच्छ रखने में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हरित ऊर्जा उन संग्रहित ऊर्जा स्रोतों से सम्बन्धित है जो प्रकृति द्वारा स्वत: ही निर्मित होते हैं और जो वायु, सूर्य, जल आदि से प्राप्त किए जा सकते हैं। इन्हें गैर-परम्परागत ऊर्जा के रूप में भी जाना जाता है। आज मनुष्य ऐसे संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं जिनसे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है साथ ही जलवायु में परिवर्तन होने के कारण पूरे विश्व का भूमंडलीय तापमान भी बढ़ रहा है। अगर विश्व में प्रदूषण इसी प्रकार बढ़ता रहा तो ग्रीनहाउस गैस में बढ़ोत्तरी होगी और ग्रीन हाउस गैस इतनी हानिकारक होती है कि वह मनुष्य का जीवन भी खत्म कर सकती है। आज सारा विश्व इसी चिंता में है कि यदि इसी तरह पारम्परिक ऊर्जा संसाधनों का उपयोग होता रहा तो जलवायु परिवर्तन और भी तीव्र हो जाएगा और भूमण्डलीय तापमान में वृद्धि होने लगेगी जिससे धरती पर रहने वाले हर प्राणी का जीवन और भी कठिन हो जाएगा। इससे बचने के लिए हमें गैर-परम्परागत ऊर्जा के संसाधनों का सम्पूर्ण तरीके से उपयोग करना चाहिए तभी हम अपने वातावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक प्रभाव बनाने में सक्षम हो सकेंगे, अत: हरित ऊर्जा एक बेहतर और उन्नत भविष्य के लिए अति आवश्यक है।

(ग) सोशल मीडिया – जागरुकता आवश्यक

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। आज सिर्फ़ एक बटन दबाने पर ही हमें विस्तृत जानकारी प्राप्त हो जाती है। सोशल मीडिया बहुत ही सशक्त माध्यम है और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ता है। आज वर्तमान समय में सोशल मीडिया के बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल है।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव भी हैं जो युवा वर्ग के मध्य सबसे अधिक देखने को मिलता है। आजकल के युवा अब शारीरिक खेलों और मनोरंजन के बजाए वीडियो गेम, यूट्यूब आदि का प्रयोग अधिक करते हैं, जिससे वे शारीरिक और मानसिक तौर पर कमज़ोर हो रहे हैं। इसके लिए आज युवा वर्ग को जागरुक करने की आवश्यकता है क्योंकि युवा वर्ग ही सोशल मीडिया का सर्वाधिक उपयोग करता है। यदि सोशल मीडिया का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो ये मानव जाति के लिए वरदान साबित हो सकता है। आज हमें डिजिटल शिक्षा की आवश्यकता है ताकि हम सही तरह से सोशल मीडिया का प्रयोग कर सकें।

15. (क) 15/70 साकेत नगर,

नई दिल्ली,

दिनांक : 25/02/xx

प्रिय अनुज

सस्नेह अशीर्वाद

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और आशा करती हूँ कि तुम भी कुशल होंगे। मैं तुम्हें समाचार पत्र-पत्रिकाओं के महत्व के बारे में बताने के लिए पत्र प्रेषित कर रही हूँ। मुझे आशा है कि तुम इस पर ध्यान अवश्य दोगे। मैं तुम्हें समाचार पत्र-पत्रिकाओं को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहती हूँ क्योंकि नियमित समाचार पत्र-पत्रिकाओं के पठन से भाषा में सुधार होता है। भाषा के सुधार के साथ- साथ अनेक जानकारी भी प्राप्त होंगी, जिससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि हागी। मुझे विश्वास है कि तुम कल से ही समाचार पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ना शुरु कर दोगे।

तुम्हारी बहन

अनामिका

अथवा

(ख) सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

बैंक ऑफ इंडिया

शाहगंज, आगरा।

विषय: पता बदलवाने के लिए आवेदन

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं अनामय आपके बैंक का खाताधारक हूँ। मेरा खाता क्रमांक 2467××××××× है। मैं अपने पुराने पते से नए पते में शिफ़्ट हो गया हूँ। मेरा बैंक में जो पुराना पता दर्ज है मैं उसे बदलना चाहता हूँ और उसकी जगह नया पता डलवाना चाहता हूँ। अत: मेरा आपसे निवेदन है कि मेरे नए पते को मेरे खाते में दर्ज करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय

अनामय

पुराना पता : ××××

नया पता : ××××

बैंक खाता नं. : 2467×××××××

मोबाइल नं. 847×××××××

हस्ताक्षर

16. (क) सेवा में,

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

नई दिल्ली।

विषय : जूनियर कलाकार के पद हेतु स्ववृत्त

महोदय,

मुझे सोशल मीडिया के द्वारा जानकारी मिली है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में जूनियर कलाकार का पद रिक्त है। मैं इस अवसर के लिए अपनी कला क्षमता और समर्पण से अपने आप को योग्य मानती हूँ। इसके लिए मैं स्ववृत्त प्रेषित कर रही हूँ, जो निम्नवत् है—

नाम	— कु. धनुश्री
पिता का नाम	— श्री राजेश कुमार
माता का नाम	— श्रीमती सरला देवी
जन्मतिथि	— 15 अक्टूबर, 1966
वर्तमान पता	— 77 पुष्पांजली, आगरा
मोबाइल नं.	— 8976××××××
ई-मेल पता	— dhanushree245@gmail.com

क्रम संख्या	परीक्षा (डिग्री/डिप्लोमा)	वर्ष	विद्यालय/बोर्ड महाविद्यालय/विश्वविद्यलाय	विषय	प्रतिशत
1.	दसवीं	2012	सी.बी.एस.ई.	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	94.3%
2.	बारहवीं	2014	सी.बी.एस.ई.	हिन्दी, अंग्रेजी, संगीत गायन, इतिहास, राजनीतिक शास्त्र	89%
3.	बी. ए. (ऑनर्स) अभिनय	2017	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	थ्योरी, प्रैक्टिकल नॉलेज	90%
4	परास्नातक	2019	आगरा विश्वविद्यालय	अंग्रेजी	92%

अन्य सम्बन्धित योग्यताएँ

- कम्प्यूटर में एक वर्षीय डिप्लोमा
- हिंदी, अंग्रेजी में दक्षता

अभिरुचियाँ

- अभिनय
- संगीत गायन एवं वादन
- खेलकूद एवं योग

दिनांक : ××××

स्थान :

हस्ताक्षर :

अथवा

(ख) From : dhanush@gmail.com
To : Municipal Corporation@gmail.com
CC : XYZ@gmail.com

विषय—जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराना

महोदय,

हमारे क्षेत्र पुष्पांजली नगर में आए दिन जलभराव हो जाता है। जिसकी वजह से यहाँ के लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहाँ नालियों की सफ़ाई नियमित रूप से नहीं होती है जिसके कारण बरसात का पानी बाहर नहीं निकल पाता है और सड़कों पर पानी भर जाता है इसलिए मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। कृपया हमें इस जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की कृपा करें।

धन्यवाद।

धनुष

मोबाइल नं. 6794××××××

17. (क) विज्ञापन लेखन

किराए पर उपलब्ध है घर का प्रथम तल
जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
घर में 3 कमरे हैं, 1 हॉल है, 2 बाथरूम हैं
और एक बड़ा आँगन है।
सभी कमरों में धूप आती है और खास
बात है कि ये सड़क के साथ लगा हुआ है।
पाँच मिनट की दूरी पर रिक्शा, बस, ऑटो आदि की सुविधा है।

कृपया इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें—
72, जयपुर हाउस आगरा
मोबाइल नं. 94758×××××

अथवा

(ख) बधाई संदेश

21.2.20××

आदरणीय दीदी

भारतीय वायु सेना में पायलट पद के चयन की बधाई एवं शुभकामनाएँ भारतीय वायु सेना में पायलट बनकर आपने परिवार का नाम रोशन किया है। इस शानदार सफ़लता के लिए दिल की गहराइयों से तुम्हें बहुत-बहुत बधाई हो। मेरी ईश्वर से यही कामना है कि आप इसी प्रकार सफ़लता के मार्ग पर अग्रसर होती रहो।

तुम्हारी छोटी बहन
अवनि

Outside Delhi Set-2 **3/2/2**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. (i) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—जिन वाक्यों में एक उद्देश्य तथा एक विधेय होता है, उन्हें सरल वाक्य कहते हैं।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य किसी समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े होते हैं, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य हो और अन्य उपवाक्य उस पर आश्रित हों, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

(iv) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में एक क्रिया होती है और एक कर्ता होता है, उसे सरल वाक्य कहते हैं।

(v) विकल्प (D) सही है।

6. (i) विकल्प (A) सही है।

(ii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—जिन शब्दों से किसी क्रिया के होने के स्थान का बोध हो, उन्हें स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। यहाँ 'बाजार में' शब्द से स्थान का बोध होता है।

(iii) विकल्प (A) सही है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—प्रस्तुत वाक्य में 'सुबह-सुबह' से समय का बोध होता है इस कारण यहाँ कालवाचक क्रिया विशेषण है तथा 'टहलने चले गए' क्रिया की विशेषता को दर्शाता है।

(v) विकल्प (B) सही है।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

12. (क) एक कहानी यह भी 'पाठ हमें यह संदेश देती है कि हमें बाहरी रंग रूप से किसी भी व्यक्ति को नहीं परखना चाहिए। खासतौर पर हमें छोटे बच्चों के प्रति अपने व्यवहार को बहुत संयमित रखना चाहिए, क्योंकि बचपन में बालक के साथ किए गए व्यवहार का प्रभाव हमेशा के लिए बालक के जीवन पर अपनी छाप छोड़ देता है।

(ख) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है। यह आयोजन संकट मोचन मंदिर में कई वर्षो से होता आया है। हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। अपने धर्म के प्रति समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार देखने को मिलती है। वे काशी से बाहर रहने पर भी बालाजी मंदिर की दिशा में मुख करके बैठते है, थोड़ी देर के लिए उस दिशा में शहनाई भी बजाते हैं।

(ग) खीरा खाने की इच्छा होते हुए भी लेखक ने उसे खाने से इंकार इसलिए किया क्योंकि जब उन्होंने नवाब साहब की भाव-भंगिमा देखी तो फिर लेखक के मन में विचार आया कि नवाब साहब का मुँह खीरा के स्वाद कि कल्पना से ही भर गया है। पूर्व में इंकार कर चुकने के कारण आत्मसम्मान कि रक्षा के लिए लेखक ने खीरा खाने से इंकार कर दिया। नवाब साहब नवाबी साहब के अंदर पूरा नवाबी अभिमान था जिसके कारण वह खीरा को तुच्छ पदार्थ दिखाते हुए उसे बाहर फेंक देते हैं। नवाब कि इस क्रिया से यह पता चलता है कि नवाबी लोग गरीबों कि तरह खीरा पर नहीं टूटते बल्कि ऐसी छोटी चीज़ों को देखने और सूंघने मात्र से ही उनका पेट भर जाता है।

(घ) बालगोबिन भगत सामाजिक रूढ़ियों कि उपेक्षा करते थे। जैसे कि उन्होंने अपने पुत्र के शव की अन्तिम क्रिया पतोहु से करवाई जबकि यह समाज इसे नहीं मानता बालगोबिन भगत ने अपने बेटे की मृत्यु के बाद दुखी ना होते हुए खुशी मनाई और कहा कि यह आत्मा का परमात्मा से मिलन है और उन्होंने अपने पुत्र की मृत्यु के बाद अपनी पुत्रवधू को विवाह के लिए उसके मायके भेज दिया था। परंतु वह वही करते जो उन्हें सही लगता था। समाज की रूढ़ियो को नहीं मानते और सही कार्य करते थे।

13. (क) 'राम लक्ष्मण परशुराम संवाद' में लक्ष्मण ने कहा कि देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय इन पर हमारे कुल में वीरता नहीं दिखाई जाती है। इन्हें मारने पर पाप लगता है और इनसे हारने पर अपयश होता है।

(ख) 'उत्साह' कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिये रखा गया क्योंकि इस कविता के माध्यम से कवि ने बादलों का आह्वान करके बादलों को क्रांति व चेतना का प्रतीक बताया है। इस कविता के माध्यम से कवि ने लोगों के मन में उत्साह भरने का प्रयत्न किया है, इसलिये ये शीर्षक पूर्ण रूप से सार्थक है।

(ग) 'संगतकार' कविता में मुख्य गायक के बुझे हुए मद्धिम स्वर को 'राख जैसा' कहा गया है, क्योंकि स्वर को ऊँचा उठाते हुए जब उसका गला बैठने लगता है, तो उसका स्वर उत्साहहीन होकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आग बुझी होने के बाद राख होती है।

(घ) कवि कहता है कि फसल में ढेर सारी नदियों के पानी का जादू समाया हुआ होता है। फसल को तैयार करते समय असंख्य मजदूरों के हाथ और मेहनत लगी है। फसल में हजारों खेतों की मिट्टी का गुण भरा हुआ होता है। फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्व जैसे कि - पानी, मिट्टी, हवा, सूर्य की किरणें। हवा के सहारे बीज सिकुड़ जाते हैं, प्रत्येक मिट्टी में उसी प्रकार की फसल उगाई जाती है, पानी और सूरज की किरणों के सहारे फसल को भोजन प्राप्त होता है।

14. (क)

स्वस्थ तन स्वस्थ मन

- आपके स्वास्थ्य की प्राथमिकता
- निरोगी जीवन का मार्गदर्शन
- योगा और ध्यान का सफ़र

स्थान: गीता भवन, नई हवेली
दुर्गापुर रोड़, दिल्ली

23-02-2024 से 03-03-2024 तक 50% छूट

(ख)

पूज्य भाईसाहब

आज यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आप स्कूल बैग बनाने का कारख़ाना शुरू करने जा रहे हैं। यह कार्य आपको बहुत उन्नति और कामयाबी दे। चारों तरफ़ आपके कारखाने की गूँज हो यही ईश्वर से कामना करते हुए आपको हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
मिथिलेश्वर/मैथिली

Outside Delhi Set-3 **3/2/3**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—विकल्प (B) समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़ा दो सही वाक्य है। विकल्प (C) भी समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़ा हुआ है। विकल्प (D) मिश्र वाक्य है। अत: विकल्प (A) ही सरल वाक्य है।

(ii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—इसमें केवल विकल्प (D) समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़ा हुआ है। अत: ये संयुक्त वाक्य है अन्य नहीं।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—केवल विकल्प (C) में एक प्रधान वाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है। अत: विकल्प (C) सही है।

(iv) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—केवल विकल्प दो में समुच्चय बोधक अव्यय से दो वाक्य जुड़ा है इसलिए यह संयुक्त वाक्य है। शेष विकल्प नहीं।

(V) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—विकल्प (C) में प्रथम वाक्य संयुक्त है, दूसरा वाक्य सरल है तथा तीसरा वाक्य मिश्र है। अत: विकल्प (C) सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प है।

2. (i) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—दुलारी व्यक्तिवाचक संज्ञा है, स्त्रीलिंग और एकवचन कर्त्ताकारक है अत: विकल्प (C) सर्वाधिक उपयुक्त है।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—अपनी शब्द का प्रयोग बेटी की विशेषता बताने के लिए किया गया है। अत: ये सर्वनामिक विशेषण है। एकवचन, स्त्रीलिंग और बेटी विशेष्य है।

(iii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—अगस्त में समय का बोध कराया गया है अत: कालवाचक क्रियाविशेषण है तथा प्रारंभ हो गया क्रिया की विशेषता बता रहा है। अत: यह विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त है।

(iv) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—मैं उत्तमपुरूष एकवचन कर्त्ता कारक स्त्रीलिंग है। अत: विकल्प (B) सर्वाधिक उपयुक्त है।

(V) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—विकल्प (A) को छोड़कर शेष विकल्प में रीतिवाचक क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है। अत: विकल्प (A) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. (क) सत्ता में बैठे लोगों को जगाने के लिए हड़ताल और आंदोलन एक माध्यम है। इसमें पुरूष और महिलाओं की भागीदारी से आंदोलन को बल मिलता है। मन्नू जैसी लड़कियों का इसमें भाग लेना सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

(ख) किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण, निरंतर अभ्यास, सादगी और पूर्ण विश्वास की आवश्यकता होती है। बिस्मिल्ला खाँ बचपन से ही शहनाई के प्रति समर्पित रहे तथा आजीवन अभ्यासरत रहे।

(ग) बालगोबिन भगत कबीर को अपना आराध्य मानते थे। कबीर अपना कुछ भी नहीं मानते थे। कबीर के प्रति अगाध निष्ठा और भक्तिभाव के कारण ही अपनी मेहनत की उपज को भी कबीरपंथी मठ में पहुँचा देते थे और जो प्रसाद स्वरूप मिलता उसी से जीवन यापन करते थे।

(घ) किसी भी कहानी में कथावस्तु, घटना, पात्र, स्थान, समय का होना आवश्यक होता है। इसके अभाव में कहानी के स्वरूप की कल्पना नहीं की जा सकती है। लखनवी अंदाज पाठ में कहानी के ये सारे तत्व मौजूद हैं।

12. (क) मुख्य गायक को गायन के सुरताल के लिए वाद्‌ यंत्रों की आवश्यकता होती है। मुख्य गायक को गायन के दौरान थकान, सुर के आरोह अवरोह को बनाए रखने के लिए संगतकार की आवश्यकता होती है।

(ख) फाल्गुन मास में शीत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु का सौंदर्य मिलकर प्रकृति को मनमोहक बना देता है। शीतल मंद पवन, नव पल्लव और पुष्पों से लदी डालियाँ वातावरण में मादकता भर देती हैं। मानव मन प्रसन्नता से भर जाता है।

(ग) उत्साह कविता एक आह्वान गीत है। बादल में घोर गर्जना, प्लावन शक्ति एवं संहारक शक्ति मौजूद है। अत: कवि सभी लोगों में क्रांति को जाग्रत करने और अपने अंदर ओजस्वी स्वर को जगाने की प्रार्थना की गई है।

(घ) परशुराम बड़े ही पराक्रमी और अहंकारी और असहनशील ऋषि थे। वे क्षत्रियों से द्वेष करते थे। उन्हे अपने पराक्रम पर घमंड था। लक्ष्मण द्वारा परशुराम को चुनौती देने का उद्देश्य उनके घमंड को चूर करना था।

14. (क) जन्मदिन की बधाई–

21.02.2024 संध्या–8.00 PM

हमारे परिवार के लिए आपके बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। जन्मदिन मुबारक हो दादाजी! ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ और हँसमुख बनाए रखें। आनेवाला प्रत्येक दिन खुशियों से भरा हो। आपकी लंबी उम्र की कामना करता हूँ।

आपकी पोती/ पोता

रोहिणी/रोहण

(ख) विज्ञापन

वन संरक्षण

आओ हम पेड़ लगाएँ, दुनिया का भविष्य बचाएँ।
पेड़ जीवन दाता है, संसार में खुशियाँ लाता है ।

पर्यावरण हमारी जिम्मेदारी है। पेड़ को काटेंगे और कचरा फैलाएँगे तो देश को कैसे स्वच्छ कैसे बनाएँगे। आइये प्रण लें कि पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।
खाली पड़ी जमीन पर पौधे रोज लगाएँगे।

❑❑❑